E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 119 | प्रयागराज, बुधवार 19 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले-ईरान समझौतें के लिए तैयार हो, तभी बातचीत होगी,अपनी टीम से वार्ता रोकने को कहा

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान से चर्चा कर रही अपनी टीम से वार्ता रोकने को कहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने यह फैसला तब तक के लिए लिया है, जब तक तेहरान किसी डील के लिए तैयार नहीं हो जाता। अमेरिकी अधिकारी ने अल जजीरा को बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच अब तक सकारात्मक बातचीत हुई थी, लेकिन ट्रम्प ने आगे की बातचीत शुरू करने से पहले इंतजार करने का फैसला किया। ट्रम्प ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताते हुए सोशल मीडिया पर मैप पोस्ट किया था। ट्रम्प के पोस्ट के बाद ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताना सिर्फ एक गलतफहमी है। पोस्ट में ट्रम्प ने लिखा- नया अमेरिकी क्षेत्र-ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक ग्राफिक पोस्ट किया, जिसके ऊपर 'नया अमेरिकी क्षेत्र' लिखा था। इस मैप में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास का समुद्री इलाका दिखाया गया था। इसमें ईरान, ओमान और यूएई के हिस्से भी नजर आ रहे थे। ट्रम्प के पोस्ट के बाद ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताना सिर्फ एक गलतफहमी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ट्रम्प को जल्द ही समझ आ जाएगा कि इस समुद्री रास्ते पर अमेरिका का कोई अधिकार नहीं है। पोस्ट में ट्रम्प ने लिखा- नया अमेरिकी क्षेत्र-ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक ग्राफिक पोस्ट किया, जिसके ऊपर 'नया अमेरिकी क्षेत्र' लिखा था। इस मैप में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास का समुद्री इलाका दिखाया गया था। इसमें ईरान, ओमान और यूएई के हिस्से भी नजर आ रहे थे। ट्रम्प के कहने होर्मुज अमेरिका का हिस्सा हो जाएगा? सीधा जवाब है- नहीं। होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच स्थित एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है। इस रास्ते से दुनिया के कई देशों के तेल और गैस से भरे जहाज गुजरते हैं।

इसलिए इस पर सिर्फ किसी एक देश का अधिकार नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सभी देशों के जहाजों को इस रास्ते से आने-जाने का अधिकार है। इसी वजह से कोई भी देश सिर्फ अपने दम पर इस समुद्री मार्ग पर कब्जे का दावा नहीं कर सकता। इसलिए ट्रम्प का मैप एक राजनीतिक दावा या मैसेज माना जा सकता है, लेकिन इससे अमेरिका को होर्मुज स्ट्रेट पर अपने आप कोई नया कानूनी अधिकार नहीं मिल जाता। होर्मुज स्ट्रेट पर किसका अधिकार है? होर्मुज स्ट्रेट का उत्तरी हिस्सा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी हिस्सा ओमान के मुसंदम क्षेत्र से लगता है। फारस की खाड़ी से निकलने वाले जहाज इसी रास्ते से अरब सागर और फिर हिंद महासागर की ओर जाते हैं। इसी वजह से होर्मुज स्ट्रेट सिर्फ एक देश का नहीं, बल्कि कई देशों के लिए अहम समुद्री मार्ग है। अमेरिका यहां अपने युद्धपोत और नौसैनिक बल तैनात रखता है ताकि समुद्री व्यापार और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। होर्मुज स्ट्रेट इतना अहम क्यों है? खाड़ी देशों से दुनिया को भेजे जाने वाले करीब 20फीसदी कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट से होती है। फरवरी में अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने से पहले हर दिन करीब 2 करोड़ बैरल तेल इस रास्ते से होकर गुजरता था।

अमेरिका में 27 साल रही भारतवंशी महिला हिरासत में,वेंकटा के पास 2013 से ग्रीन कार्ड,आईसीई ने पूछताछ के बाद किया डिटेन

वॉशिंगटन डीसी।11 अगस्त को शार्लोट स्थित आईसीई कार्यालय में नियमित चेक-इन के

दौरान पूछताछ के बाद उन्हें डिटेन किया गया। वेंकटा के पास 2013 से ग्रीन कार्ड है और वह नॉर्थ कैरोलिना के सरकारी स्कूल में स्पेशल-नीड्स बच्चों को पढ़ाती हैं। भारत जाने के बाद ग्रीन कार्ड पर सवाल उठा-वेंकटा जुलाई 2022 में बीमार माता-पिता की देखभाल के लिए भारत आई थीं। वहां उन्हें कोविड हुआ और करीब दो हफ्ते अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। स्वास्थ्य समस्याओं के कारण वह फरवरी 2023 में करीब 7 महीने बाद अमेरिका लौटीं। अमेरिकी अधिकारियों ने उनकी लंबी गैर-मौजूदगी को आधार बनाकर सवाल उठाया कि क्या उन्होंने अमेरिका में अपना स्थायी निवास छोड़ दिया था। वेंकटा के वकीलों ने कहा कि उनका घर, नौकरी और परिवार अमेरिका में है और उन्होंने स्थायी रूप से भारत लौटने का इरादा नहीं किया था। ग्रीन कार्डधारक 180 दिन से ज्यादा अमेरिका से बाहर रहें तो इमिग्रेशन अधिकारी यह जांच कर सकते हैं कि उन्होंने अमेरिका को अपना स्थायी घर बनाए रखा है या नहीं। मई में जज ने डिपोर्टेशन केस खत्म किया-वेंकटा के खिलाफ डिपोर्टेशन की कार्रवाई चल रही थी और उन्हें नियमित रूप से आईसीई के सामने पेश होना पड़ता था। 19 मई को इमिग्रेशन जज ने केस खत्म कर दिया। जज ने कहा कि सरकार यह स्पष्ट और ठोस सबूत नहीं दे पाई कि वेंकटा को अमेरिका से बाहर किया जा सकता है। इसके बावजूद 11 अगस्त को आईसीई कार्यालय में चेक-इन के दौरान उन्हें हिरासत में ले लिया गया। फिलहाल उन्हें जॉर्जिया के इरविन काउंटी डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। वेंकटा को गंभीर डायबिटीज है और उनके वकील के मुताबिक, हिरासत में लिए जाने के समय उनके पास इंसुलिन और जरूरी मेडिकल सप्लाई नहीं थीं। उनके वकीलों ने हिरासत को फेडरल कोर्ट में चुनौती दी है।

इमरान की 9 महीने बाद बहन नूरीन से मुलाकात,सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अडियाला जेल पहुंचीं, पूर्व पीएम हॉस्पिटल शिफ्ट किए जाएंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी ने मंगलवार को अडियाला जेल में उनसे मुलाकात की। नोरीन सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद जेल पहुंचीं, जिसमें इमरान को परिवार से हर हफ्ते मिलने की इजाजत दी गई है। दोनों की मुलाकात 9 महीने बाद हुई है। करीब 15 मिनट चली मुलाकात में नोरीन ने इमरान की सेहत के बारे में पूछा। उन्होंने इमरान को सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश की जानकारी भी दी, जिसमें उन्हें इलाज के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने को कहा गया है। दोनों ने कुछ कानूनी मामलों पर भी बात की। इमरान ने अपनी पत्नी बुशरा बीबी से भी मुलाकात की। दोनों करीब 30 से 35 मिनट साथ रहे। इससे पहले बुशरा ने अपनी बेटी मुबाशरा शेख और ननद मेहरुन्निसा से मुलाकात की थी। पुलिस सिर्फ ने नोरीन को मिलने दिया-नोरीन अपनी बहनों अलीमा खान और उजमा खान के साथ अडियाला जेल के रास्ते में डहगल चेकपॉइंट पहुंची थीं। पुलिस ने तीनों को रोक लिया। बाद में सिर्फ नोरीन को इमरान से मिलने के लिए जेल जाने दिया। करीब 15 मिनट की मुलाकात के बाद नोरीन ने इमरान से मिलने की पुष्टि की। हालांकि, कोर्ट में दिए भरोसे के मुताबिक उन्होंने मीडिया से कोई बात नहीं की। कोर्ट ने कहा- परिवार से मिलना अधिकार-सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इमरान के परिवार से हर हफ्ते मुलाकात कराने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि परिवार से मिलना कोई एहसान नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है। अदालत ने पिछले 3 साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई मुलाकातों का रिकॉर्ड भी मांगा है। उनके बेटों से हुई बातचीत और फोन कॉल की जानकारी देने को भी कहा गया है। इमरान को अस्पताल भेजने का भी आदेश-सुप्रीम कोर्ट ने इमरान को इलाज और मेडिकल जांच के लिए शिफा इंटरनेशनल अस्पताल भेजने का आदेश भी दिया है। कोर्ट ने उनके इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड बनाने को कहा है, जिसमें उनके निजी डॉक्टर और बहन डॉ. उजमा खान को शामिल किया जाएगा। अडियाला जेल की मेडिकल रिपोर्ट में इमरान के ब्लड प्रेशर और तनाव को लेकर चिंता जताई गई थी। आदेश को चुनौती देगी पाकिस्तान सरकार-शहबाज सरकार इमरान खान को अस्पताल भेजने के आदेश के खिलाफ रिव्यू पिटीशन दायर करेगी। पाकिस्तान के कानून मंत्री आजम नजीर तरार ने सीएनएन-न्यूज 18 से कहा कि सरकार ने कोर्ट के आदेश की समीक्षा की है। सरकार का मानना है कि आदेश के कुछ हिस्से मौजूदा कानून के मुताबिक नहीं हैं। तरार ने कहा कि पाकिस्तान की जेलों में कई कैदी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। अगर इमरान को जेल से बाहर एक खास अस्पताल में इलाज की सुविधा दी जाती है, तो सवाल है कि क्या यही नियम दूसरे कैदियों पर भी लागू होगा? सरकार का कहना है कि आम तौर पर कैदियों का इलाज सरकारी अस्पतालों और तय सरकारी व्यवस्था के तहत होता है। अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान-73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई।

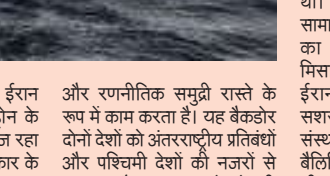

ट्रम्प ने होर्मुज को अमेरिका का नया इलाका बताया,मैप पोस्ट किया, ईरान का जवाब- ट्रम्प की गलतफहमी जल्द दूर हो जाएगी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट को

अमेरिका का हिस्सा बताते हुए सोशल मीडिया पर मैप पोस्ट किया है। ट्रम्प के पोस्ट के बाद ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताना सिर्फ एक गलतफहमी है। पोस्ट में ट्रम्प ने लिखा- नया अमेरिकी क्षेत्र-ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक ग्राफिक पोस्ट किया, जिसके ऊपर 'नया अमेरिकी क्षेत्र' लिखा था। इस मैप में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास का समुद्री इलाका दिखाया गया था। इसमें ईरान, ओमान और यूएई के हिस्से भी नजर आ रहे थे। ट्रम्प के कहने होर्मुज अमेरिका का हिस्सा हो जाएगा? सीधा जवाब है- नहीं। होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच स्थित एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है। इस रास्ते से दुनिया के कई देशों के तेल और गैस से भरे जहाज गुजरते हैं। इसलिए इस पर सिर्फ किसी एक देश का अधिकार नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सभी देशों के जहाजों को इस रास्ते से आने-जाने का अधिकार है। इसी वजह से कोई भी देश सिर्फ अपने दम पर इस समुद्री मार्ग पर कब्जे का दावा नहीं कर सकता। इसलिए ट्रम्प का मैप एक राजनीतिक दावा या मैसेज माना जा सकता है, लेकिन इससे अमेरिका को होर्मुज स्ट्रेट पर अपने आप कोई नया कानूनी अधिकार नहीं मिल जाता। होर्मुज स्ट्रेट पर किसका अधिकार है? होर्मुज स्ट्रेट का उत्तरी हिस्सा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी हिस्सा ओमान के मुसंदम क्षेत्र से लगता है। फारस की खाड़ी से निकलने वाले जहाज इसी रास्ते से अरब सागर और फिर हिंद महासागर की ओर जाते हैं। इसी वजह से होर्मुज स्ट्रेट सिर्फ एक देश का नहीं, बल्कि कई देशों के लिए अहम समुद्री मार्ग है। अमेरिका यहां अपने युद्धपोत और नौसैनिक बल तैनात रखता है ताकि समुद्री व्यापार और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके।

रिपोर्ट- यूक्रेन ने ब्रिटिश-ड्रोन से रूस पर हमला किया,नाराज मॉस्को बोला- ब्रिटेन जंग को और बढ़ा रहा

मॉस्को/लंदन। रूस ने ब्रिटेन पर यूक्रेन जंग में दखल देने का

आरोप लगाया है। रूसी सरकार का दावा है कि यूक्रेन ने रूस पर हमले में जिस ड्रोन का इस्तेमाल किया था वह ब्रिटिश कंपनियों ने बनाया। रूस ने कहा कि इसके लिए ब्रिटेन को गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं। यह मामला ब्रिटिश अखबार द संडे टाइम्स की रिपोर्ट के बाद सामने आया। दरअसल, इसी रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि यूक्रेन ने रूस में हमला करने के लिए 2 ब्रिटिश कंपनियों के बनाए ड्रोन का इस्तेमाल किया। संडे टाइम्स की यह रिपोर्ट अगर सही है, तो यह पहली बार होगा जब ब्रिटिश तकनीक से बने ड्रोन रूस पर हुए हमलों में इस्तेमाल हुए हैं। ब्रिटेन स्थित रूसी दूतावास ने कहा कि लंदन जानबूझकर यूक्रेन संकट को और भड़का रहा है। वह यूक्रेन के जरिए रूस को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। रूसी दूतावास ने कहा कि इसके गंभीर परिणाम होंगे और ब्रिटेन को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। ब्रिटेन बोला- यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़े हैं-इस मामले में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम का बयान सामने आया है। एंडी बर्नहम प्रधानमंत्री, ब्रिटेन- 'ब्रिटेन वही कर रहा है जो उसने लंबे समय से कहा था। ब्रिटेन पुतिन के नेतृत्व में हो रहे इस गैर-कानूनी युद्ध के खिलाफ यूक्रेन का 100फीसदी समर्थन करता है।' ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिटेन यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस के हमलों से अपनी रक्षा करने के लिए यूक्रेन को जिन हथियारों की जरूरत होगी, ब्रिटेन उन्हें देता रहेगा। प्रवक्ता ने कहा कि रूस को ब्रिटेन की नीति को लेकर कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। ब्रिटेन यूक्रेन और अपने सहयोगी देशों के खिलाफ रूस की आक्रामकता का विरोध करता रहेगा। यूक्रेन ने रूस के अंदर हमले 3 गुना बढ़ाए-यूक्रेन ने इस साल रूस के अंदर ड्रोन और लंबी दूरी की मिसाइलों से हमले काफी बढ़ा दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस ने जुलाई में जनवरी के मुकाबले 3 गुना ज्यादा हमले किए। अब यूक्रेन के हमले सिर्फ रूस की सीमा के पास के इलाकों तक सीमित नहीं हैं। यूक्रेन रूस के अंदर काफी दूर तक ड्रोन और मिसाइल भेजकर हमले कर रहा है। इन हमलों में रूस के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। इसके अलावा हथियार और ईंधन के भंडार भी निशाने पर हैं। यूक्रेन रूस की तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और औद्योगिक ठिकानों पर भी हमला कर रहा है।

रिपोर्ट- रूस सीक्रेट रास्ते से ईरान को हथियार भेज रहा,मिसाइल-ड्रोन पार्ट्स और गोला-बारूद शामिल

ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर समुद्री रास्ते का इस्तेमाल

मॉस्को/तेहरान। रूस सीक्रेट रास्ते के जरिये ईरान के सैन्य भंडार को मजबूत करने में मदद कर रहा है। एनबीसी न्यूज की

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ईरान को टीएनटी विस्फोटक, ड्रोन के पार्ट्स और गोला-बारूद भेज रहा है। रिपोर्ट में यूरोपीय सरकार के एक दस्तावेज के हवाले से बताया गया कि सैटेलाइट तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि इनमें बैलिस्टिक मिसाइल बनाने के लिए जरूरी कुछ पार्ट्स भी हो सकते हैं। ईरान के सैन्य भंडार हाल में अमेरिका और इजराइल के साथ हुए संघर्ष में काफी कम हुए थे। रूस इसके लिए कैस्पियन सागर का रास्ता इस्तेमाल कर रहा है। कैस्पियन सागर से रूस, ईरान, कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और अजरबैजान क सीमाएं लगती हैं। यह समुद्री रास्ता पश्चिमी देशों की निगरानी से बचने में मदद करता है। यहां से गुजरने वाले जहाज अपना ट्रैकिंग सिस्टम (एआईएस) बंद कर सकते हैं। इससे उनकी आवाजाही को ट्रैक करना बहुत मुश्किल हो जाता है। कैस्पियन सागर रूस-ईरान के लिए बैकडोर-कैस्पियन सागर रूस और ईरान के बीच एक सुरक्षित बैकडोर और रणनीतिक समुद्री रास्ते के रूप में काम करता है। यह बैकडोर दोनों देशों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों और पश्चिमी देशों की नजरों से बचकर सैन्य सामान भेजने की सहूलियत देता है। कैस्पियन सागर की कानूनी स्थिति को लेकर लंबे समय तक विवाद रहा है, लेकिन 2018 में 'कैस्पियन सागर की कानूनी स्थिति पर कन्वेंशन' पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता कैस्पियन सागर के पांच तटीय देशों को इसके संसाधनों और सुरक्षा पर अधिकार देता है। हालांकि, यह समझौता मुख्य रूप से समुद्री सीमाओं और वहां के संसाधनों के इस्तेमाल से जुड़ा है। इसके तहत किसी बाहरी देश की सेना को वहां आने की इजाजत नहीं है। इससे यह इलाका इन पांच देशों के खास प्रभाव वाला क्षेत्र बन जाता है।पहले ईरान रूस को ड्रोन देता था, अब रूस मदद कर रहा-यूक्रेन युद्ध के दौरान ईरान ने रूस को शाहेद जैसे ड्रोन दिए थे। अब, रूस ईरान को अपने घटे सैन्य भंडार को फिर से भरने में मदद कर रहा है। रूस की ओर से ईरान को सामान भेजे जाने की रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब इजराइल पहले ईरान के अहम बंदरगाह और सैन्य सप्लाई नेटवर्क को निशाना बना चुका है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इजराइली हमलों में बंदर अंजली पोर्ट की कुछ सुविधाओं और ईरानी नौसेना से जुड़े ठिकानों को नुकसान पहुंचा था। यह पोर्ट ईरान तक सैन्य सामान पहुंचाने वाले समुद्री नेटवर्क का हिस्सा है। चीन से भी मिसाइल के पार्ट्स ले रहा ईरान-ईरान का रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों की लॉजिस्टिक्स संस्था अब अपने यहां बनने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों में रूस और चीन में बने कुछ पार्ट्स का इस्तेमाल बढ़ा रही है। इनका इस्तेमाल मुख्य रूप से ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स से जुड़े कार्यक्रमों में की जा रही है। यह ईरान की 'लुक ईस्ट' रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत ईरान पश्चिमी देशों पर अपनी निर्भरता कम करके रूस और चीन के साथ सैन्य और तकनीकी सहयोग बढ़ा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ईरान को सैटेलाइट तस्वीरें भी दे रहा है।

इनकी मदद से ईरानी सेना सैन्य ठिकानों की निगरानी और हमलों के लिए लक्ष्य तय करने की क्षमता बढ़ा सकती है।

30 बच्चों से दुष्कर्म के दोषी पर ब्रिटेन-पाकिस्तान में विवाद,ब्रिटिश सरकार वापस पाक भेजने पर अड़ी

लंदन। ब्रिटेन और पाकिस्तान के बीच एक यौन अपराधी को लेकर विवाद शुरू हो गया है। शाबिर अहमद ब्रिटेन के कुख्यात ग्रूमिंग गैंग से जुड़ा हुआ है। उसे 30 बच्चों के यौन शोषण का दोषी पाया गया है। शाबिर मूल रूप से पाकिस्तान का रहने वाला है लेकिन उसके पास ब्रिटिश नागरिकता है। अब ब्रिटेन शाबिर को पाकिस्तान भेजना चाहता है, लेकिन इस्लामाबाद ने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने ब्रिटेन को चेतावनी दी है कि अगर शाबिर को रखने का दबाव बनाया गया, तो वह अवैध प्रवासियों को वापस लेने, सुरक्षा सहयोग और खुफिया जानकारी साझा करने जैसे मुद्दों पर फिर से विचार कर सकता है। 14 साल जेल की सजा काट चुका शाबिर अहमद-73 वर्षीय शाबिर अहमद पाकिस्तान मूल का है। बच्चों के यौन शोषण मामले में उसे 22 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। वह करीब 14 साल जेल में काट चुका है और हाल ही में रिहा हुआ

है। ब्रिटेन उसकी नागरिकता समाप्त कर चुका है और अब उसे पाकिस्तान भेजने की कोशिश कर रहा है। हालांकि पाकिस्तान का कहना है कि शाबिर ने अपना अधिकांश जीवन ब्रिटेन में बिताया, वहीं उसका पालन-पोषण हुआ और वहीं उसने अपराध किए, इसलिए उसकी जिम्मेदारी भी ब्रिटेन को ही उठानी चाहिए।वीजा प्रतिबंध की खबरों से भी नाराज पाकिस्तान-ब्रिटेन की कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अगर पाकिस्तान शाबिर अहमद को वापस लेने से इनकार करता है, तो ब्रिटिश सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा पर सख्ती कर सकती है। कुछ रिपोर्टों में पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक सहायता घटाने की भी बात कही गई है। हालांकि, ब्रिटेन की ओर से इन कदमों की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन पाकिस्तानी अधिकारियों ने इसे लेकर नाराजगी जताई है। डेली टेलीग्राफ से बातचीत में एक अधिकारी ने कहा कि अगर वीजा और आर्थिक मदद को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया, तो इससे दोनों देशों के रिश्तों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। ब्रिटेन-पाकिस्तान के बीच अवैध प्रवासियों को वापस भेजने का समझौता-ब्रिटेन और पाकिस्तान के बीच 2022 से एक समझौता है। इसके तहत पाकिस्तान अपने उन नागरिकों को वापस लेता है, जिन्हें ब्रिटेन में रहने की अनुमति नहीं है।

फिलीपींस के स्कूल में छात्र ने क्लासमेट को गोली मारी,फिर खुदकुशी की, 2 गार्ड भी मारे गए

मनीला। फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में मंगलवार को एक स्कूल में गोलीबारी हुई है। एक छात्र ने अपने ही क्लासमेट को गोली मार दी। इसके बाद उसने खुद भी जान दे दी। फायरिंग में दो सुरक्षा गार्डों की भी मौत हो गई, जबकि 9 लोग घायल हुए हैं। घटना एटेनियो डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी के स्कूल कैंपस में हुई। पुलिस का कहना है कि आरोपी छात्र ने हमले का कुछ हिस्सा फेसबुक पर लाइव भी दिखाया था। घटना के बाद छात्रों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। पहले शिक्षक पर गोली चलाई, फिर छात्र को निशाना बनाया-पुलिस के मुताबिक, आरोपी कक्षा 9 का छात्र मोहम्मद मैल जलानी था। वह दो पिस्तौल लेकर स्कूल आया था। पहले उसने एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन वह बच गए। इसके बाद उसने कक्षा 10 के एक छात्र को गोली मार दी, फिर ऊपर की मंजिल पर गया और वहां से कूदकर जान दे दी।

पाक सुप्रीम कोर्ट बोला-इमरान को 2 दिन में अस्पताल भेजें,कहा- बहनों से मिलना उनका अधिकार, 2023 से जेल में हैं पूर्व पीएम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अस्पताल भेजने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि इमरान को 48 घंटे में शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ट्रांसफर किया जाए। उनकी सेहत की जांच और इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड भी बनाया जाएगा।कोर्ट ने इमरान की बहनों से मुलाकात को लेकर भी सवाल उठाया। जस्टिस शाहिद वहीद ने कहा कि बहनों से मुलाकात कराना कोई एहसान नहीं, बल्कि उनका मौलिक अधिकार है। अदालत ने पिछले तीन साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई सभी मुलाकातों की जानकारी मांगी। इमरान के बेटों से उनकी बातचीत और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जानकारी भी देने को कहा गया है। इमरान खान 3 साल से जेल में हैं। उन्हें अगस्त 2023 में भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने पूरी मेडिकल रिपोर्ट न मिलने पर नाराजगी जताई-सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अडियाला जेल प्रशासन से इमरान की पूरी मेडिकल रिपोर्ट मांगी। जस्टिस शाहिद वहीद ने इस पर नाराजगी जताई कि कोर्ट के सामने पूरी रिपोर्ट पेश करने के बजाय सिर्फ समरी दी गई है। तीन जजों की बेंच इमरान के इलाज और परिवार से मुलाकात से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। बेंच की अध्यक्षता जस्टिस शाहिद वहीद ने की। इसमें जस्टिस नईम अख्तर अफगान और जस्टिस इश्तियाक इब्राहिम शामिल थे। मेडिकल रिपोर्ट में इमरान की सेहत को लेकर चिंता-कोर्ट में पेश की गई मेडिकल रिपोर्ट में इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई गई। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव, दिल की धड़कन तेज होने और काफी मानसिक तनाव की समस्या सामने आई।

अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद, रायबरेली ने अपनी चार सूत्रीय मांगों के संबंध में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति महोदया को ज्ञापन भेजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। अखिल भारतीय

क्षत्रिय कल्याण परिषद रायबरेली के जिला अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह की की अध्यक्षता में अपनी चार सूत्रीय मांगें माने जाने है जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से माननीय राष्ट्रपति महोदय को ज्ञापन भेजा। सैकड़ो की संख्या में जुलूस बनाकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगे रखें उनकी मुख्य मांग है कि सवर्ण आयोग का गठन किया जाए जो सवर्ण की की आर्थिक एवं सामाजिक समीक्षा कर उन्हें भी आरक्षण का लाभ दिया जाए उनके द्वारा यह भी मांग की गई कि जो 7:15 आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और समाज में कठिनाई से जी रहे हैं उन्हें आरक्षण का लाभ दिया जाए उनके द्वारा एससी एसटी एक्ट एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की टीवी समीक्षा की जाए तथा प्रमोशन में आरक्षण का लाभ समाप्त किया जाए आरक्षण आर्थिक आधार पर एक साथ सबको प्रदान किया जाए जिससे सवर्ण को भी आरक्षण का लाभ मिल सके। एससी एसटी एक्ट की समीक्षा की जाए और उसके दुरुपयोग को रोके जाने है तू उचित कदम उठाए जाएं। प्रसाद द्वारा यूजीसी कानून को तत्काल वापस लिए जाने का अनुरोध किया है। इस अवसर पर राजेश कुमार सिंह जिला अध्यक्ष, परिषद के संरक्षक शैलेंद्र कुमार अग्निहोत्री, महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती रेनू सिंह, दीपू सिंह दीपेश सिंह रितेश सिंह विवेक मिश्रा राजन दीक्षित योगेश त्रिपाठी सुधांश त्रिपाठी राजू शुक्ला विष्णु तिवारी बॉबी शुक्ला बबलू सिंह आशीष कुमार वर्मा राकेश द्विवेदी सहित शेरों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ग्राम सभा रौजा में आयोजित हुई भव्य लंबी कूद प्रतियोगिता,पुरस्कार वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज, अमेठी। ग्राम सभा

रौजा में एड. दिलीप शर्मा कोटेदार, संस्थापक अखिल मसाले एवं अखिल ऑयल के सौजन्य से भव्य लंबी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभम कोरी, द्वितीय स्थान फिरोज शाह एवं तृतीय स्थान दिलीप मिश्रा ने प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।इस अवसर पर ग्राम सभा रौजा के सम्मानित नागरिकों में भोला नाथ शर्मा, अवनीश तिवारी, सुनील शर्मा, राम प्रकाश मौर्य, राम सूरत मौर्या, रवींद्र नाथ तिवारी, शम्भू बघेल, समर बहादुर सिंह, महेश मौर्या, शिव गोपाल विश्वकर्मा, राम राज गौतम, राम चन्द्र कश्यप, राजाराम मौर्या, मो. फारुख, लालता मौर्या, लोधई मिस्त्री, विवेक मौर्या सहित सैकड़ों ग्राम सभा के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, प्रतिभा एवं आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना रहा। प्रतियोगिता

के सफल आयोजन पर सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया गया।

सुभासपा के तत्वावधान में आयोजित हुआ विशाल सामाजिक समरसता सम्मेलन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) बालापुरा/रायबरेली। सुहेलदेव

भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के तत्वावधान में एक विशाल सामाजिक समरसता समारोह सम्मेलन रायबरेली के बालापुरा में आयोजित किया गया। जिसकी मुख्य संयोजक सुभासपा की जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती सोना शर्मा की अध्यक्षता में मनाया गया। समारोह का संचालन डॉ कैलाश चंद शर्मा ने किया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती सोना शर्मा ने कहा मैं महिलाओं के हक ओर अधिकार की लड़ाई राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की अध्यक्षता में निरंतर लड़ती रहूंगी। समरसता समारोह के मुख्य अतिथि खुर्शीद आलम ने कहा कि मैं पिछड़ी जातियों के अधिकारों की लड़ाई राष्ट्रीय अध्यक्ष की निगरानी में बराबर लड़ता रहूंगा। मुख्य अतिथि खुर्शीद आलम, विशिष्ट अतिथि रामप्रसाद चौरसिया मौके पर राष्ट्रीय नाई महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम शर्मा, पूर्व सांसद प्रतिनिधि फरीद सलमानी सुभासपा के अलावा बलराम शर्मा, जे पी सेन जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय नाई महासभा अमेठी, रामबरन शर्मा,महामंत्री सज्जन लाल शर्मा, पवन शर्मा फौजी, राज नाथ शर्मा और प्रदीप कुमार पवन आदि समाज के लगभग हजारों लोग मौके पर मौजूद रहे ।सम्मेलन में महिलाओं की तगड़ी भीड़ चर्चा का विषय रहा।

पीआरडी जवानों के लिए मुख्यमंत्री जी की महत्वपूर्ण घोषणाएँ,मानदेय रु500 से बढ़ाकर रु600,कैशलेस उपचार एवं बैरक की सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्यमंत्री उ0प्र0

योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गोरखपुर में प्रांतीय रक्षक दल के जवानों का सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम का जनपद रायबरेली के एन0आई0सी0 सभागार में जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी (आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सौरभ सिंह व समस्त विकास खंड के क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी व पी0आर0डी0 जवान द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया और उनके उद्बोधन को सुना गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा आज प्रदेश के पीआरडी जवानों को संबोधित करते हुए उनके हित में महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गईं। मुख्यमंत्री जी द्वारा पीआरडी जवानों के मानदेय में वृद्धि करते हुए इसे रु500 प्रतिदिन से बढ़ाकर रु600 प्रतिदिन किए जाने की घोषणा की गई। इसके साथ ही पीआरडी जवानों एवं उनके परिवारों के स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री जी ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने तथा पीआरडी जवानों के लिए जनपद लखनऊ के सरोजनीनगर में बैरक/आवासीय सुविधा विकसित किए जाने की महत्वपूर्ण घोषणा की गई। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी रायबरेली ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की इन घोषणाओं से प्रदेश के हजारों पीआरडी जवानों में उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल है। मानदेय में वृद्धि से जवानों को आर्थिक संबल मिलेगा, वहीं कैशलेस उपचार की सुविधा से उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्राप्त होगी। बैरक की सुविधा से ट्रेनिंग के दौरान जवानों को आवश्यक आवासीय सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी, रायबरेली द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी का पीआरडी जवानों के हित में किए गए इन महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जनपद रायबरेली के समस्त विकास खंड के क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी व पी0आर0डी0 जवान एन0आई0सी0 रायबरेली में उपस्थित रहे।

38 रिक्त ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउंटेंट-कम-डाटा एंट्री ऑपरेटर के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला पंचायत राज अधिकारी विनय कुमार सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुसार जनपद की कुल 38 रिक्त ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक/एकाउंटेंट-कम-डाटा एंट्री ऑपरेटर के चयन हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

वांछित अर्हता पूर्ण करने वाले अभ्यर्थी अपना आवेदन 19 अगस्त से 03 सितम्बर 2026 तक कार्यालय जिला पंचायत राज अधिकारी, संबंधित विकास खण्ड कार्यालय अथवा ग्राम पंचायत कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

उक्त चयन प्रक्रिया के संबंध में किसी भी विधिक जानकारी अथवा सहायता के लिए संबंधित कार्यालयों में किसी भी कार्य दिवस में संपर्क किया जा सकता है।

बकायेदारों की भूमि की नीलामी 07 सितम्बर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उपजिलाधिकारी व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी

सदर रायबरेली गौतम सिंह ने सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय देय की बकायेदार छेदी लाल पुत्र विष्णु प्रसाद निवासी अनन्त मजरे मरदानपुर, मनोज कुमार पासी पुत्र गुरु चरन निवासी कोन्सा, मो0 अहमद कुरैशी पुत्र स्व0 जान मोहम्मद निवासी उत्तरपारा (बेलाभेला) एवं नौशाद पुत्र वशीर अहमद निवासी रसेहता परगना 07 सितम्बर 2026 को समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है।

इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते हैं। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

जनसुनवाई में छात्रा की समस्या पर जिलाधिकारी ने लिया त्वरित संज्ञान, उपलब्ध कराई साइकिल,मिशन शक्ति के तहत महिला एवं बालिका सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में पहल

लाचार आवागमन व्यवस्था से जूझ रही छात्रा को मिली राहत, दादा-पोती की आंखों में छलके खुशी के आंसू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनसुनवाई के दौरान

चतरा विकासखंड के संडा गांव निवासी रामनारायण अपनी नातिन संध्या की समस्या को लेकर जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के समक्ष पहुंचे। उन्होंने बताया कि उनकी नातिन कक्षा 7 में हरे कृष्णा कुशवाहा इंटरमीडिएट कॉलेज चतरा में पढ़ती है, जो उनके घर से लगभग 8 किलोमीटर दूर है। आवागमन की समुचित व्यवस्था न होने तथा आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण संध्या को प्रतिदिन पैदल विद्यालय आना-जाना पड़ता है। छात्रा की समस्या एवं लचर आवागमन व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लिया और संध्या को साइकिल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साइकिल मिलने से छात्रा के विद्यालय आने-जाने की समस्या का समाधान हुआ। यह पहल मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला एवं बालिका सशक्तिकरण, बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहन तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।साइकिल पाकर रामनारायण एवं उनकी नातिन संध्या की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। उन्होंने जिलाधिकारी को बार-बार धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा एवं सुरक्षा में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करेगा।

पॉकेट 7 समस्याओं का निरीक्षण करने पहुंचे सीनियर मैनेजर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 सेक्टर 82 की समस्याओं का संज्ञान लेकर वर्क सर्किल 8 के सीनियर मैनेजर रोहित सिंह ने पॉकेट का दौरा किया। सीनियर मैनेजर ने मौके पर नालियों की स्थित को देखा और जल्द समाधान का आश्वासन दिया। एक दिन पहले ही समस्याओं से संबंधित पत्र आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने सेक्टर 39 स्थित वर्क सर्किल 8 के कार्यालय में सीनियर मैनेजर रोहित सिंह को भेजा था। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि तीन वर्षों से अधिक समय से ज्यादातर नालियां जाम हो गई हैं । नालियों का पानी पहले नाले में गिरता था लेकिन अब पानी की निकासी ना होने के कारण फ्लैटों की नींव में जा रहा है। फ्लैटों की हालत खस्ता होती जा रही है जिससे गिरने का भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। सीनियर मैनेजर ने मौके पर निरीक्षण कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। एक अलावा एक टॉयलेट बनाने, ट्रांसफार्मर जहां जहां लगे हैं वहां सुरक्षा की दृष्टि से दीवार बनाने , प्राधिकरण के जर्जर फ्लैटों की मरम्मत कराने , पॉकेट 7 की बाउंड्री वाल के बाहर पड़ी प्राधिकरण की जगह में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने या कॉमर्शियल उपयोग में लाए जाने सहित तमाम समस्याओं की बात की। सीनियर मैनेजर रोहित सिंह ने समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सुशील पाल सहित तमाम प्राधिकरण कर्मी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में गौरीगंज में हुआ विशाल गुरुवंदन कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। राष्ट्रीय

शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में गौरीगंज में विशाल गुरुवंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्नातक एम एल सी देवेन्द्र प्रताप सिंह, विशिष्ट अतिथि गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह, अध्यक्षता जगदम्बा प्रसाद त्रिपाठी मनीषी, कमलाकर मिश्र, संचालन रमेश सिंह, कार्यक्रम के संयोजक विवेक शुक्ल राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश शाखा जनपद अमेठी, के साथ ही इस संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष,प्रांतीय प्रचारक, संरक्षक, एक संगठन के प्रांतीय जिला प्रचारक सुल्तानपुर के अशोक कुमार, गौरीगंज के मनोज कुमार, वीरेन्द्र सिंह, संजय कुमार तिवारी अधिकारी, कृष्ण कुमार सिंह तिलोई मुन्ना भैया, विक्रम सिंह पूर्वांचल विकास बोर्ड विशेष उल्लेखनीय गणमान्य पदाधिकारी रहे। प्रधान वक्ताओं का वक्तव्य राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुरूप संस्कृति संस्कार चरित्र निर्माण राष्ट्र निर्माण आदि पर केंद्रित रहा। लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति को कम ठीक करार दिया गया।मुख्य

अतिथि देवेन्द्र प्रताप सिंह एम एल सी ने कहा कि प्रदेश सरकार व वे खुद शिक्षकों के हित में मुस्तैदी से खड़े हैं। शिक्षकों के टी ई टी प्रकरण पर उन्होंने अपने को व प्रदेश सरकार को शिक्षक हितों पर किये जाने वाले कुछ कदमों को गिनाया भी। साथ ही पेंशन योजना पर अपनी बातें रखीं। खुद को पुरानी पेंशन योजना का समर्थन करने से नहीं चूके। कहा पुरानी पेंशन बुढ़ापे की लाठी होती है। गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार हमारा संविधान देता है। समुचित पेंशन या पैसों के अभाव में गरिमामय जीवन नहीं जिया जा सकता है। 17140/-का भी जिक्र किया। इस अवसर पर तमाम रिटायर्ड शिक्षकों व शिक्षिकाओं को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ अमेठी द्वारा सम्मानित किया गया।गुरु वंदन कार्यक्रम के अवसर पर कुछ प्रमुख उपस्थित शिक्षक गण व शिक्षिकाओं में श्याम प्रकाश शुक्ल, सुरेन्द्र बहादुर सिंह रामसेवक सिंह दयाराम सिंह हरिहर शर्मा, चंद्र मोहन त्रिपाठी, भरत कुमार शुक्ल, लालता प्रसाद द्विवेदी, वीरेन्द्र कुमार यादव, शिवनायक पांडेय, रामबलवान मिश्र अश्वनी द्विवेदी, साहब बख्श सिंह, श्यामलाल मौर्य, आलोक तिवारी, राजकुमारी सियाजी श्रीवास्तव मालती सिंह, लक्ष्मी शुक्ला, शीतला प्रसाद द्विवेदी, रामलखन मिश्र, दयाराम सिंह व के पी सविता आदि रहे।

त्रिलोचन महादेव में उमड़ा आस्था का सैलाब, सात वर्षों से 24 घंटे भंडारा चला रहे , मानवता की पेश पूर्व सैनिक नवीन सिंह

नाग पंचमी और सावन के तीसरे सोमवार पर मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सेवा और समर्पण की मिसाल बना भंडारा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/जौनपुर। मानव का सेवा करना ही मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म सावन के पवित्र महीने में नाग पंचमी और तीसरे सोमवार के विशेष संयोग पर त्रिलोचन महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान शिव के दर्शन-पूजन के लिए दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु और कांवरिया मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजता रहा।इसी बीच त्रिलोचन महादेव मंदिर के समीप सेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल भी देखने को मिली। ग्राम सभा छतारी निवासी एवं पूर्व सैनिक नवीन सिंह द्वारा पिछले सात वर्षों से लगातार कांवरियों और श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे का विशाल भंडारा संचालित किया जा रहा है। नाग पंचमी और सावन के तीसरे सोमवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।पूर्व सैनिक नवीन सिंह अपने सहयोगियों के साथ

मिलकर कई वर्षों से श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन और विश्राम की व्यवस्था कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में सेना में तैनाती के दौरान अमरनाथ यात्रा के समय उन्होंने बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले भंडारों को देखा था। वहीं से उनके मन में अपने क्षेत्र में भी इसी तरह सेवा कार्य शुरू करने का विचार आया।नवीन सिंह के अनुसार सावन के दौरान विशेषकर रविवार की रात्रि कांवरियों को भोजन मिलने में काफी परेशानी होती थी। श्रद्धालुओं की इसी समस्या को देखते हुए उन्होंने सहयोगियों के साथ त्रिलोचन महादेव मंदिर के पास 24 घंटे का भंडारा शुरू किया, जो लगातार सात वर्षों से जारी है।आयोजकों के अनुसार हर वर्ष भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। पिछले वर्ष करीब 40 से 45 हजार श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया था। इस वर्ष भी सावन में बड़ी संख्या में कांवरियों और श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण भंडारा लगातार संचालित किया जा रहा है।नवीन सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन केवल भोजन कराने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इससे समाज में आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता और सेवा की भावना मजबूत होती है। भंडारे में बिना किसी भेदभाव के श्रद्धालुओं को भोजन कराया जा रहा है। बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से सेवा कार्य में भी जुटे हुए हैं।त्रिलोचन महादेव मंदिर के व्यवस्थापक रविशंकर गिरी ने बताया कि त्रिलोचन महादेव मंदिर का उल्लेख काशी खंड में मिलता है। इसके साथ ही स्कंद पुराण में भी त्रिलोचन महादेव मंदिर का वर्णन किया गया है। सावन के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की विशेष आस्था रहती है। सोमवार और नाग पंचमी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन की ओर से मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए थे। पुलिस और प्रशासन की व्यवस्था चाक-चौबंद रही, जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।भंडारे के आयोजन को सफल बनाने में सोनम कंस्ट्रक्शन के ओनर नवीन सिंह, रोहित सिंह, अभिषेक सिंह रघुवंशी, नीरज सेठ, आशु सिंह, चन्द्रेश्वर सिंह, अभिषेक सिंह और मनीष सिंह सहित सैकड़ों लोगों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। नाग पंचमी और सावन के तीसरे सोमवार पर जहां त्रिलोचन महादेव मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ा, वहीं पूर्व सैनिक नवीन सिंह द्वारा सात वर्षों से लगातार चलाया जा रहा 24 घंटे का भंडारा श्रद्धालुओं के लिए सेवा, भक्ति और सामाजिक समरसता की प्रेरणादायी मिसाल बना हुआ है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु बैंक अधिकारियों की बैठक आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के दिशा-निर्देशन में आगामी 12 सितम्बर 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाना है।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने तथा बैंकों में लंबित प्री-लिटिगेशन स्तर के अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण की रूपरेखा तय करने हेतु नोडल अधिकारी लोक अदालत प्रतिमा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल अधिकारी द्वारा उपस्थित शाखा प्रबन्धकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए, ताकि अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों का निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाया जा सके। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अनिशा द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन वादों को चिन्हित करने तथा राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में अग्रणी जिला प्रबन्धक बैंक ऑफ बड़ौदा अमेठी, अग्रणी जिला प्रबन्धक, बैंक ऑफ बड़ौदा रायबरेली, बड़ौदा यू.पी. ग्रामीण बैंक, केनरा बैंक, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया, इण्डियन बैंक, पंजाब एण्ड सिन्ध बैंक, श्रीराम सिटी यूनिवर्सल फाइनेन्स, श्रीराम ट्रांसपोर्ट तथा भारतीय स्टेट बैंक, रायबरेली के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर मैहर को रु256 करोड़ की विकास सौगात, लाड़ली बहनों को मिलेगी अतिरिक्त राशि

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। रक्षाबंधन के पावन अवसर के साथ रु250 की अतिरिक्त राशि प्रदान किए जाने की घोषणा सहायता मिलने से परिवारों में भी खुशी का माहौल है। सरकार

पर मैहर जिले को विकास कार्यों की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से मैहर के लिए करीब रु256 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जाएगा। इसके साथ ही लाड़ली बहनों के सम्मान और उत्सव को और खास बनाने के लिए रु1,500 की राशि की गई है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न निर्माण कार्यों को गति मिलेगी। करोड़ों रुपये की विकास सौगात से सड़क, अधोसंरचना सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद है। वहीं रक्षाबंधन पर बहनों को अतिरिक्त आर्थिक का यह कदम 'विकास भी, बहनों का सम्मान भी' की भावना को मजबूत करने वाला बताया जा रहा है।

19 अगस्त को मैहर में होने वाला यह कार्यक्रम जिले के विकास और महिला सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

नोएडा में बढ़ते ट्रैफिक जाम एवं प्रदूषण से निजात हेतु कार्यालयों एवं उद्योगों के समय में भिन्नता लागू किए जाने की मांग

ट्रैफिक बढ़ने से सामान्य लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त - योगेन्द्र शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शहर में स्थित कॉरपोरेट कार्यालयों एवं औद्योगिक इकाइयों में बड़ी संख्या में कर्मचारी कैब तथा अपने निजी चार पहिया वाहनों से आवागमन करते हैं। अधिकांश कार्यालयों एवं संस्थानों का कार्य समय लगभग एक समान होने के कारण प्रातः एवं सायंकाल के समय सड़कों पर वाहनों का अत्यधिक दबाव बढ़ जाता है, जिसके परिणामस्वरूप शहरवासियों को प्रतिदिन गंभीर ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है।

पार्टी नारवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने जिलाधिकारी से मांग पत्र देते हुए कहा कि ट्रैफिक जाम से न केवल लोगों का बहुमूल्य समय बर्बाद होता है, बल्कि वाहनों के लंबे समय तक जाम में खड़े रहने से ईंधन की खपत भी बढ़ती है और वाहन जनित प्रदूषण में वृद्धि होती है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बढ़ते वायु प्रदूषण एवं पेट्रोलियम पदार्थों की अनावश्यक खपत को देखते हुए कार्यालयों एवं औद्योगिक संस्थानों के कार्य समय में अंतर रखने अर्थात Staggered Timing लागू करने का सुझाव विशेषज्ञ स्तर पर भी दिया गया है। नोएडा जैसे तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक एवं कॉरपोरेट शहर में इस व्यवस्था को प्रभावी रूप से लागू किया जाना ट्रैफिक प्रबंधन एवं प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अलग-अलग कार्यालयों, उद्योगों एवं संस्थानों के कार्य समय में 30 मिनट से लेकर 2 घंटे तक का अंतर निर्धारित करने से पीक आवर में सड़कों पर वाहनों का दबाव कम किया जा सकता है। अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि उक्त गंभीर जनहित के विषय पर अपने स्तर से जिला प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण, पुलिस विभाग, यातायात विभाग तथा प्रमुख औद्योगिक एवं कॉरपोरेट संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर Staggered Timing लागू किए जाने की दिशा में आवश्यक पहल करने का कष्ट करें। इस व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन से नोएडा में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने, ईंधन की बचत करने तथा वाहन जनित प्रदूषण पर नियंत्रण पाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

हर कदम पर सुरक्षा, हर बेटी में आत्मविश्वास–वाईएसएस फाउंडेशन की सराहनीय पहल,उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से सेंट टेरेसा स्कूल में बालिका सुरक्षा एवं आत्मरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। बालिकाओं को

सुरक्षित, जागरूक, आत्मविश्वासी एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वाईएसएस फाउंडेशन द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस के सहयोग से सेंट टेरेसा स्कूल, एचएस-03, सेक्टर-10 वेस्ट, ग्रेटर नोएडा में बालिका सुरक्षा एवं आत्मरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को व्यक्तिगत सुरक्षा, आत्मरक्षा, आपातकालीन प्रतिक्रिया, साइबर सुरक्षा तथा पुलिस सहायता से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को कठिन परिस्थितियों में सजग रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित एवं प्रभावी तरीके से प्रतिक्रिया देने के लिए सक्षम बनाना रहा। आत्मरक्षा प्रशिक्षक वीरेंद्र कुमार एवं सहयोगी विवेक कुमार ने छात्राओं को आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि आत्मरक्षा केवल शारीरिक तकनीक नहीं, बल्कि सतर्कता, मानसिक मजबूती, आत्मविश्वास और सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता का समन्वय है। वाईएसएस फाउंडेशन ने कहा कि बालिका सुरक्षा पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास प्रदान करना एक सुरक्षित एवं सशक्त समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संस्था ने विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि प्रत्येक बेटी अपने अधिकारों, सुरक्षा और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सके।

स्वतंत्रता दिवस पर छिवकी चौकी परिसर में हुआ भव्य सुंदरकांड पाठ एवं विशाल कांवड़िया सेवा शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आज, 15 अगस्त 2026 (शनिवार) को छिवकी चौकी परिसर स्थित श्री भोलेनाथ मंदिर में एक गरिमामयी एवं भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का सफल आयोजन संपन्न हुआ। भगवान भोलेनाथ की असीम अनुकंपा से आयोजित इस कार्यक्रम में भक्तिभाव से ओत-प्रोत श्री सुंदरकांड पाठ का गायन किया गया। इसके उपरांत, सावन माह के उपलक्ष्य में कांवड़ लेकर जा रहे शिवभक्तों के लिए विशाल सेवा शिविर लगाया गया, जिसमें सभी कांवड़ियों को लड्डू प्रसाद एवं शुद्ध पेयजल की बोतलें वितरित कर सेवा कार्य किया गया। संयुक्त तत्वावधान एवं सहभागिताः-यह भव्य धार्मिक व सामाजिक आयोजन निम्नलिखित संस्थाओं के संयुक्त

सौजन्य से आयोजित हुआः-स्थानीय पुलिस प्रशासन (छिवकी चौकी) जिला अपराध निरोधक कमेटी-श्री राम समाज सेवा दल,श्री राम टूर एंड ट्रैवल्स,मुख्य उपस्थिति एवं विशिष्ट अतिथिः-कार्यक्रम में मुख्य रूप से चौकी प्रभारी श्री मनोज कुमार सिंह जी एवं उनके सहयोगी पुलिस बल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सेवा कार्य एवं व्यवस्था का संचालन यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा के कुशल नेतृत्व में किया गया। उपस्थित प्रमुख गणमान्य सदस्यः- संदीप चंद्र श्रीवास्तव (जनसंपर्क अधिकारी) तौसीफ खान, शिव प्रताप सिंह,श्री दिग्विजय सिंह,श्री सक्षम शर्मा, गौरव विश्वकर्मा, शशांक मिश्रा,आशीष पांडेय, विमल सक्सेना, कृष्ण विश्वकर्मा, तथा संस्थाओं के समस्त सम्मानित पदाधिकारी एवं सेवादार।समिति के पदाधिकारियों ने संकल्प व्यक्त किया कि समाज-सेवा, राष्ट्रभक्ति और जन-कल्याण के ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का भव्य एवं गरिमामयी आयोजन संयुक्त तत्वावधान

श्री राम समाज सेवा-जिला अपराध निरोधक समिति,श्रीराम टूर एंड ट्रेवल्स

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। 15 अगस्त 2026 के पावन राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यंत भव्य, अनुशासित एवं हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सम्पूर्ण प्रांगण राष्ट्रभक्ति, ऊर्जा और तिरंगे के गौरवशाली रंगों से सराबोर रहा। विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति-समारोह की गरिमा और प्रभाव को बढ़ाने के लिए प्रशासनिक, अधिकारियों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की विशेष उपस्थिति रहीः-श्री कमलेश पटेल जी ---थाना प्रभारी औद्योगिक, लेखपाल सिंह जी –चौकी प्रभारी, पीडीए, रामानन्द विश्वकर्मा जी–प्रभारी, कांशीराम, नैनी क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक, मातृशक्ति एवं सम्मानित अभिभावकगण युवा शक्ति एवं सक्रिय नेतृत्व, जिला अपराध निरोधक समिति की यूथ टीम ने यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा के कुशल नेतृत्व एवं उत्कृष्ट प्रबंधन में कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में सराहनीय

योगदान दिया। प्रमुख सहयोगी एवं पदाधिकारीः-क्षेत्रीय कमेटी प्रभारीः श्री विमल सक्सेना, संदीप चंद श्रीवास्तव, जनसंपर्क अधिकारीः तौसीफ खान, सक्रिय सदस्यः शिव प्रताप सिंह, दिग्विजय सिंह, शशांक मिश्रा, आशीष पांडेय, कृष्ण विश्वकर्मा, रामप्रकाश प्रजापति, सक्षम शर्मा, मोहम्मद अरशद, मोहम्मद इमरान एवं मोहम्मद इरशाद। हृदयतल से आभार एवं धन्यवाद इस गारिमामया आयोजन को सफल एवं अविस्मरणीय बनाने हेतु हम उपस्थित सभी मुख्य अतिथियों, पुलिस-प्रशासन, सामाजिक संगठनों, यूथ टीम के समर्पित कार्यकर्ताओं एवं समस्त क्षेत्रीय निवासियों के प्रति हार्दिक आभार एवं साधुवाद व्यक्त करते हैं। आप सभी का सकारात्मक सहयोग ही इस आयोजन की वास्तविक शक्ति रहा। आइए, राष्ट्र की संप्रभुता, एकता, अखंडता और निरंतर प्रगति के लिए हम सब सदैव समर्पित रहने का संकल्प लें।

कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान के तहत सातवें दिन गाजियाबाद में वन-टू-वन संवाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। संगठन सृजन अभियान

के तहत आज सातवें दिन महानगर कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद के कंपनी बाग स्थित कार्यालय पर महानगर कांग्रेस कमेटी के सम्मानित पदाधिकारीगण एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संगठन सृजन एवं मजबूती को लेकर वन-टू-वन संवाद किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक एवं पूर्व सांसद, हरियाणा डॉ. अशोक तंवर तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से पर्यवेक्षक एवं नोएडा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतेन्द्र शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। संवाद के दौरान कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं की भावनाओं और सुझावों को समझने तथा संगठन को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद के अध्यक्ष वीर सिंह जाटव जी सहित महानगर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन सृजन अभियान को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग और समर्पण का विश्वास दिलाया।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ में अखिल कुमार बने मेरठ मंडल उपाध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि

महासंघ के संयोजक डा भगवान प्रसाद उपाध्याय एवं मेरठ मंडल के अध्यक्ष देव मणि शुक्ल ने वरिष्ठ पत्रकार अखिल कुमार को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ का मेरठ मंडल उपाध्यक्ष नियुक्त किया। उनकी नियुक्ति से पत्रकारिता जगत में खुशी की लहर है। अखिल कुमार के मंडल उपाध्यक्ष बनने की सूचना मिलते ही पत्रकारों, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें फोन, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं एवं बधाइयाँ दीं। इस अवसर पर अखिल कुमार ने भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार संगठन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, उस पर वह पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, पत्रकारों के हितों की रक्षा तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

उनकी नियुक्ति पर पत्रकारों एवं शुभचिंतकों ने उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन नोएडा में और अधिक सशक्त एवं सक्रिय होगा।

'तुलसी जयंती समारोह में साहित्य, संस्कृति और भारतीय जीवन-मूल्यों का हुआ भव्य संगम'

तुलसीदास जी का साहित्य केवल भक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज को जोड़ने और हर व्यक्ति के कल्याण का एक महा-अभियान है- प्रो प्रदीप कुमार मिश्र(पूर्व कुलपति)

कीरति भनिति भूति भलि सोई। सुरसरि सम सब कहँ हित होई?'- पंडित पारसनाथ मिश्र (वरिष्ठ साहित्यकार) डतुलसी सम्मान 2026 से अलंकृत किये गये प्रो प्रदीप कुमार मिश्र(पूर्व कुलपति).

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर पालिका सभागार, सोनभद्र में बुधवार को राष्ट्रीय संचेतना समिति, सोनभद्र के तत्वावधान में तुलसी जयंती समारोह-2026 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह में गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज के साहित्य, भारतीय संस्कृति, लोकमंगल की भावना तथा हिन्दी साहित्य के प्रति उनके अमूल्य योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला संघ चालक श्री हर्ष अग्रवाल जी रहे। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार पंडित पारसनाथ मिश्र जी ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व कुलपति श्री प्रदीप कुमार मिश्र जी, प्रख्यात लेखिका एवं विचारिका डॉ. रचना तिवारी जी, राष्ट्रीय लेखक एवं विचारक डॉ. मनोकामना शुक्ला जी तथा प्रख्यात चिंतक-विचारक एवं गुप्तकाशी विकास परिषद, उत्तर प्रदेश के संरक्षक तथा काशी के अनेक संस्थाओं के संस्थापक डॉ. अवधेश दीक्षित जी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि परिचय एवं स्वागत से हुआ। कार्यक्रम संचालक श्री भोला नाथ मिश्र जी ने अपनी प्रभावी संचालन शैली से समारोह को गरिमा प्रदान की। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय संचेतना समिति के सचिव श्री आशुतोष पाण्डेय जी ने सहयोग किया। श्री ईश्वर विरागी जी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से सभागार भक्तिमय एवं साहित्यिक वातावरण से भर उठा।

इसके बाद आमंत्रित अतिथियों का पुष्पमालाओं एवं अंगवस्त्रम् से अभिनंदन किया गया। समारोह में साहित्य एवं समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वानों और रचनाकारों को सम्मानित किया गया।

समारोह का प्रमुख आकर्षण 'तुलसी सम्मान-2026', 'सरस्वती श्री सम्मान' तथा 'दयाराम पाण्डेय स्मृति सम्मान' रहा। श्री प्रदीप कुमार मिश्र जी को तुलसी सम्मान-2026, डॉ. रचना तिवारी जी को सरस्वती श्री सम्मान तथा डॉ. मनोकामना शुक्ला जी को दयाराम पाण्डेय स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान के अवसर पर गुप्त काशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक चतुर्वेदी ने सम्मानित विभूतियों के साहित्यिक एवं सामाजिक योगदान का परिचय प्रस्तुत करते हुए उनके व्यक्तित्व-कृतित्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में साहित्यिक पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

कवि श्री शिव नारायण 'शिव' जी तथा कवि श्री बृजेश महादेव जी की पुस्तकों का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर दोनों रचनाकारों को सम्मानित करते हुए उनके साहित्यिक योगदान की सराहना की गई। साहित्यिक वक्तव्य सत्र का शुभारंभ करते हुए कार्यक्रम के मुख्य आयोजक एवं राष्ट्रीय संचेतना समिति के निदेशक पंडित जगदीश पंथी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी के साहित्य को भारतीय संस्कृति, लोकभाषा, अध्यात्म और लोकमंगल की महान परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि रामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ ही नहीं, बल्कि भारतीय समाज के नैतिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों का जीवंत दस्तावेज है।

मुख्य अतिथि श्री राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला संघ चालक श्री हर्ष अग्रवाल जी ने तुलसीदास जी के साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और अपनी साहित्यिक विरासत से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि तुलसीदास जी का साहित्य आज भी समाज को सत्य, मर्यादा, सेवा, त्याग और लोककल्याण का मार्ग दिखाता है। प्रदीप कुमार मिश्र जी पूर्व कुलपति-झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, राँची तथा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय,लखनऊ तथा संरक्षक गुप्त काशी विकास परिषद,उत्तर प्रदेश ने अपने विस्तृत साहित्यिक वक्तव्य में तुलसी साहित्य की व्यापकता, भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक समय में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अध्यक्ष भारत के वरिष्ठ साहित्यकार पंडित पारसनाथ मिश्र जी ने तुलसीदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि तुलसी साहित्य भारतीय मानस की ऐसी अक्षय धरोहर है, जिसकी प्रासंगिकता कभी समाप्त नहीं हो सकती।

डॉ. रचना तिवारी जी एवं डॉ. मनोकामना शुक्ला जी ने भी साहित्य, संस्कृति और समाज में रचनाकारों की भूमिका पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों, विद्वानों एवं प्रबुद्धजनों ने वक्ताओं के विचारों को गंभीरता से सुना।

समारोह के अंत में राष्ट्रीय संचेतना समिति, सोनभद्र के अध्यक्ष श्री रमेश देव पाण्डेय जी ने सभी अतिथियों, सम्मानित साहित्यकारों, विद्वतजनों, आयोजकों एवं उपस्थित प्रबुद्धजनों के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम वरिष्ठ साहित्यकार अजय चतुर्वेदी कक्का, गुप्त काशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी, काशी कथा न्यास के संस्थापक डॉ अवधेश दीक्षित, डॉ अनूप कुमार मिश्रा,रमेश देव पाण्डेय,बृजेश महादेव,डॉ. रचना तिवारी,

डॉ. मनोकामना शुक्ला, पंडित पारसनाथ मिश्र,जगदीश पंथी,डॉ लखन राम जंगली,आशुतोष पाण्डेय,डा कुसमाकर, बिमलेश त्रिपाठी, राकेश शरण मिश्र,

संतोष चौबे, प्रभाकर श्रीवास्तव,प्रेम मिश्र, दीपक केसरवानी,कौसल्या देवी आदि उपस्थित रहे।

जन्मदिवस पर छात्राओं के बीच पहुंचे जिलाधिकारी, नवाचार के रूप में मनाया जन्मदिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने अपने जन्मदिवस को एक नवाचार के रूप में मनाते हुए आज कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पहुंचकर छात्राओं के बीच अपना जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी, कैमूर वन्यजीव प्रभाग, मिर्जापुर आरुषि मिश्रा भी उपस्थित रहीं। जिलाधिकारी ने छात्राओं के साथ केक काटकर जन्मदिवस की खुशियां साझा कीं तथा उनके साथ भोजन भी ग्रहण किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं को परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, रुचियों एवं भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से पूछा कि वे भविष्य में क्या बनना चाहती हैं और समाज एवं देश के विकास में किस प्रकार अपना योगदान देना चाहती हैं। छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने एवं अपने निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की। जिलाधिकारी ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में बड़ा लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं लगन के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि बेटियां आज शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, प्रशासन, खेल, तकनीक, सेना सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। छात्राएं अपनी क्षमता और प्रतिभा को पहचानते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।जिलाधिकारी ने इस अवसर पर जनपद के अधिकारियों को भी प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन के विशेष एवं खुशी के अवसरों को विद्यालयों, आश्रम पद्धति विद्यालयों एवं अन्य बाल संस्थानों में जाकर बच्चों के साथ साझा किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा बच्चों के बीच जाकर उनके साथ समय बिताने, संवाद करने और खुशियां साझा करने से बच्चों में अपनत्व, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक भावनाओं का विकास होगा। उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे प्रयास बच्चों के जीवन में खुशी के विशेष क्षण पैदा करते हैं और उन्हें यह एहसास कराते हैं कि समाज के जिम्मेदार लोग भी उनके साथ खड़े हैं। इससे बच्चों के भीतर नई ऊर्जा, उत्साह एवं आगे बढ़ने की प्रेरणा जागृत होगी। जिलाधिकारी ने विद्यालय में स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल माध्यम से छात्राओं को दी जा रही शिक्षा का जायजा लिया।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में छात्राओं के साथ केक काटकर मनाया जन्मदिवस, साथ में किया भोजन,स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल माध्यम से दी जा रही शिक्षा का लिया जायजा, छात्राओं से संवाद कर जानी उनके लक्ष्य एवं उद्देश्य,अधिकारियों को भी विशेष अवसरों पर विद्यालयों एवं आश्रमों में बच्चों के साथ खुशियां साझा करने के लिए किया प्रेरित,विशेष अवसरों की खुशियां बच्चों के साथ साझा करने के लिए अधिकारियों को किया प्रेरित,स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल शिक्षा का लिया जायजा,विद्यालय में आवश्यक सुविधाओं के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश

उन्होंने डिजिटल संसाधनों के उपयोग, शिक्षण प्रक्रिया एवं छात्राओं की सहभागिता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से शिक्षा को और अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। छात्राओं को डिजिटल शिक्षा का अधिकतम लाभ उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालय में आने-जाने के मार्ग, छात्राओं के पठन-पाठन तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित जो भी आवश्यकताएं हैं, उनका तत्काल आकलन कर प्रस्ताव/मांग पत्र प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया कि छात्राओं को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, पौष्टिकता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने छात्राओं से भोजन के संबंध में फीडबैक भी लिया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मुकुल आनंद पांडेय, अपर जिला सूचना अधिकारी श्री विनय कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी रॉबर्ट्सगंज श्री महेंद्र मौर्य सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

पंचमुखी महादेव मंदिर पहुंचकर जिलाधिकारी ने की पूजा-अर्चना,श्रद्धालुओं की सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने आज पंचमुखी महादेव मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना एवं दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा मंदिर परिसर में सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर तहसीलदार रॉबर्ट्सगंज श्री अमित सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

घाघर बैराज का जलस्तर बढ़ाःवैकल्पिक मार्ग टूटा, गुरमा-मारकुंडी में आवागमन रुका

सोनभद्र। गुरमा-मारकुंडी स्थित मीनाबाजार घाघर नदी पर पुल निर्माण के लिए बनाया गया वैकल्पिक मार्ग लगातार बारिश और घाघर बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे क्षेत्र में आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। मार्ग क्षतिग्रस्त होने से स्कूली विद्यार्थियों, ग्रामीणों, मरीजों और अन्य राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के कारण रास्ते पर कीचड़ और गड्ढे होने से आवागमन में दिक्कतें और बढ़ गई हैं।जलस्तर कम होने के बाद वैकल्पिक मार्ग को दुरुस्त करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी ने जल्द ही मार्ग को समतल कर आवागमन सुचारु कराने का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोगों ने बारिश को देखते हुए मार्ग को मजबूत बनाने की मांग की है। इसी मार्ग से जिला कारागार के आसपास स्थित कई गांवों के लोग भी आवागमन करते हैं, जिससे रोजमर्रा के काम के लिए आने-जाने वाले ग्रामीणों, मजदूरों और व्यापारियों के साथ-साथ मरीजों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल निर्माण आवश्यक है, लेकिन निर्माण के दौरान आमजन के लिए सुरक्षित और टिकाऊ वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है। बार-बार वैकल्पिक रास्ते का बह जाना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इस संबंध में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार ने वैकल्पिक मार्ग को शीघ्र समतल एवं सुरक्षित बनाने का आश्वासन दिया है।

प्रांतीय रक्षक दल के जवानों के लिए मुख्यमंत्री जी की बड़ी सौगात रूपया 5 लाख तक कैशलेस उपचार एवं ड्यूटी भत्ते में रूपया 100 की वृद्धि

कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री जी के संबोधन का हुआ सजीव प्रसारण, पीआरडी जवानों ने उत्साहपूर्वक सुना संबोधन, प्रदेश के 31 हजार पीआरडी जवानों को मिलेगा रूपया 5 लाख तक कैशलेस इलाज का लाभ, ड्यूटी भत्तारूपया 500 से बढ़ाकर रूपया 600 किए जाने पर जवानों ने जताया हर्ष

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के जवानों के सम्मेलन कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के संबोधन का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं प्रांतीय रक्षक दल के जवानों ने मुख्यमंत्री जी के संबोधन को देखा एवं सुना। माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रांतीय रक्षक दल के जवानों के हित में महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। मुख्यमंत्री जी ने कैशलेस उपचार योजना के अंतर्गत प्रत्येक पीआरडी जवान को रूपया 5 लाख तक के कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस सुविधा का लाभ प्रदेश के लगभग 31,000 प्रांतीय रक्षक दल के जवानों को मिलेगा। जनपद सोनभद्र के 428 पीआरडी जवान भी इस महत्वपूर्ण सुविधा से लाभान्वित होंगे।मुख्यमंत्री जी ने प्रांतीय रक्षक दल के जवानों के ड्यूटी भत्ते में रूपया 100 की वृद्धि करते हुए इसे रूपया 500 से बढ़ाकर रूपया 600 प्रतिदिन किए जाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री जी की इस घोषणा से पीआरडी जवानों में उत्साह एवं प्रसन्नता का माहौल रहा। उपस्थित जवानों ने मुख्यमंत्री जी द्वारा उनके हित में की गई घोषणाओं का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया तथा इसे जवानों के कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव कुमार गौड़ के प्रतिनिधि श्री संजीव कुमार त्रिपाठी, बीओ पीआरडी प्रदीप कुमार सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित प्रांतीय रक्षक दल के जवान उपस्थित रहे। माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणाओं से पीआरडी जवानों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा। इससे जवानों में अपने दायित्वों के प्रति और अधिक उत्साह एवं समर्पण की भावना को बल मिलेगा।

थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा हत्या के अभियोग का 24 घंटे के अन्दर सफल अनावरण, घटना में शामिल 03 अभियुक्त गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्माङ के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (नक्सल) श्री ऋषभ रूणवाल एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्री सुधीर कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस द्वारा हत्या के अभियोग का सफल अनावरण करते हुए अभियोग पंजीकृत होने के महज 24 घंटे के अन्दर घटना में शामिल 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे/निशानदेही से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 15/16.08.2026 की रात्रि मृतक भारतदीप दुलारे राम कुंजुर पुत्र प्रदीप कुमार, निवासी सिलथम, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 19 वर्ष के अचानक गायब होने तथा बाद में उसका शव कसरहिया नदी पुल के नीचे पानी में मिलने की सूचना प्राप्त हुई। शव का पंचायतनामा एवं पोस्टमार्टम कराया गया। मृतक के परिजनों एवं स्थानीय लोगों द्वारा हत्या की आशंका व्यक्त किए जाने पर दिनांक 17.08.2026 को थाना रामपुर बरकोनिया पर मु0अ0सं0-76/2026, धारा 3(5), 103(1), 351(3) बीएनएस बनाम शुभम पासवान एवं अन्य अज्ञात के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारीगण द्वारा गठित पुलिस टीम एवं सर्विलांस टीम द्वारा त्वरित साक्ष्य संकलन एवं जांच की गई। जांच में मृतक का एक लड़की से पूर्व में प्रेम प्रसंग तथा बाद में उक्त

लड़की द्वारा अभियुक्त शुभम पासवान से बातचीत किए जाने को लेकर मृतक एवं अभियुक्त के मध्य विवाद एवं रंजिश की बात सामने आई। इसी रंजिश के चलते अभियुक्त द्वारा मृतक को पूर्व में धमकी दिए जाने की जानकारी भी प्राप्त हुई। जांच में प्रकाश में आया कि दिनांक 15/16.08.2026 की रात्रि मृतक उक्त लड़की से मिलने गया था, जहां से लड़की द्वारा शुभम को सूचना दी गई। सूचना पर शुभम अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल से मौके पर पहुंचा तथा तीनों अभियुक्तों द्वारा मृतक के साथ मारपीट करते हुए गला/गर्दन दबाकर एवं पानी में डुबोकर उसकी हत्या कर दी गई। अभियोग पंजीकृत होने के बाद तीनों अभियुक्तगण दिनांक 17.08.2026 को उक्त मोटरसाइकिल से बाहर भागने की फिराक में थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा हसुआ नदी पुल, बहद ग्राम करवनिया, थाना रामपुर बरकोनिया के पास से समय करीब 22:40 बजे तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. शुभम कुमार पासवान पुत्र दीनानाथ पासवान, उम्र करीब 19 वर्ष निवासी ग्राम पटना, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र। 2. संदीप कुमार उर्फ छोटू पुत्र सुग्रीव बिन्द, उम्र करीब 26 वर्ष निवासी ग्राम पटना, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र।

3. आत्मानन्द उर्फ लप्पू गौतम पुत्र दुखन्ती, उम्र करीब 21 वर्ष निवासी ग्राम पटना, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र। बरामदगी का विवरण- घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम- 1. थानाध्यक्ष श्री रामसिंहासन शर्मा, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र। 2. का0 अजीत कुमार, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र। 3. का0 सुनील कुमार, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र। 4. का0 सुनील कुमार-घ, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र। 5. का0 तेज प्रकाश यादव, थाना रामपुर बरकोनिया, जनपद सोनभद्र।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स

भारत 600वें टेस्ट में जीता, श्रीलंका 165 रन से हारा,देवदत्त पडिक्कल प्लेयर ऑफ द मैच बने,मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए

स्पोर्ट डेस्क। भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर पर फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर पारी खेली। भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 और रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन बना सका। दूसरी पारी में पंत ने 66 रन बनाए-भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई।

ऋषभ पंत ने 69 गेंद में 66 रन बनाए। उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। पंत के अलावा केएल राहुल ने 35 और पडिक्कल ने 44 रन बनाए।

श्रीलंका के लिए असिथा फर्नांडो ने 4, प्रभात जयसूर्या ने 3 और लहिरू कुमारा ने 2 विकेट लिए। भारत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 5वें स्थान पर-भारत गॉल टेस्ट जीतने के बाद डब्लूटीसी पॉइंट्स टेबल में टीम 53.33फीसदी पॉइंट परसेंटेज के साथ 5वें नंबर पर है। भारत के 10 टेस्ट में 5 जीत, 4 हार और 1 ड्रॉ हैं।

उसके खाते में 64 पॉइंट्स हैं। भारत के पास अब 9 टेस्ट बाकी हैं। श्रीलंका के खिलाफ एक, न्यूजीलैंड के खिलाफ दो और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट। यानी भारत के पास अधिकतम 108 पॉइंट्स और जोड़ने का मौका है। डब्लूटीसी में एक जीत के 12 पॉइंट्स मिलते हैं।

को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था। भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली। सुथार को एक ओवर में 3 विकेट- 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी। पहली पारी में पडिक्कल का शतक, भारत ने 462 रन बनाए-भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की। केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने 4 और केशरा नुवानथा ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका की पहली पारी में दिनूषा का शतक-श्रीलंका की पहली पारी में सोनल दिनूषा ने 168 गेंद में 100 रन बनाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन की

हॉकी वर्ल्ड कप में आज भारत बनाम पाकिस्तानःपिछले 10 साल से टीम इंडिया नहीं हारी, जीते तो टॉप-8 में पहुंचेंगे

स्पोर्ट डेस्क। मेंस हॉकी वर्ल्ड कप में आज भारत-पाकिस्तान साथ पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। टीम यह मैच जीती खिताब जीता-दोनों टीमों की सबसे यादगार भिड़ंत 1975 के फाइनल में जगह बनाई थी। बीपी गोविंदा ने 62वें मिनट में गोल किया था। फाइनल भी इसी स्टेडियम में हुआ। तब भारत को मेजबान नीदरलैंड्स से पेनल्टी स्ट्रोक में हार मिली थी। हरमनप्रीत सिंह टूर्नामेंट के टॉप गोल स्कोरर-भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल दागे हैं। वे अब तक 2 मैचों में 3 गोल कर चुके हैं। उनके तीनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर आए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ उनसे फिर टीम को गोल की उम्मीद होगी। दोनों टीमों का स्क्वॉड-भारतः हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), जरमनप्रीत सिंह, अभिषेक, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, मंदीप सिंह, सुमित, नीलकंता शर्मा, लालगे आदित्य अर्जुन, शशिकुमार मोहिथ होन्नेनहल्ली, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सुखजीत सिंह, यशदीप सिवाच, संजय, सूरज करकेरा (गोलकीपर), राजिंदर सिंह, शिलानंद लाकड़ा। पाकिस्तानः महमूद अबू (कप्तान), वकार (गोलकीपर), मुहम्मद अब्दुल्ला, सुफियान खान, मोइन शकील, वहीद अशरफ राणा, हन्नान शाहिद, ज़िक्रिया हयात, अरशद लियाकत, अदील लतीफ, अहमद नदीम, गजनफर अली, अम्माद बट, मुहम्मद हम्मादुद्दीन, अब्दुल रहमान, अफराज, उमर मुस्तफा, अबू महमूद, अली रजा (गोलकीपर), अब्दुल मनान, मुहम्मद अम्माद।

का मुकाबला होगा। पूल-डी का यह मुकाबला वैगनर हॉकी स्टेडियम में शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा। टीम इंडिया पिछले 10 साल से पाकिस्तान के खिलाफ अजेय है। दोनों टीमों के बीच 19 मैच हुए हैं। इनमें भारत 17 मैच जीता, जबकि 2 ड्रॉ रहे। पाकिस्तान ने आखिरी बार साउथ एशियन गेम्स 2016 के फाइनल में भारत को 1-0 से हराया था। भारत पहला मुकाबला वेल्स से 3-1 से जीता, जबकि इंग्लैंड से 1-4 से हार गया। टीम 2 मैचों में 3 अंक के तो 6 अंक के साथ अगले राउंड के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। वहीं अगर पाकिस्तान हारा तो टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगा। वर्ल्ड कप में भी भारत का पलड़ा भारी- वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान के बीच 5 मुकाबले खेले गए हैं। भारत 3 मैच जीता, जबकि 2 में पाकिस्तान को जीत मिली। दोनों टीमों की वर्ल्ड कप में पिछली भिड़ंत 2010 में हुई थी। नई दिल्ली में हुए इस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 4-1 से हराया था। 1975 में भारत ने पाकिस्तान को हराकर वर्ल्ड कप फाइनल में हुई थी। तब भारत ने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर पहली और अपनी इकलौती वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीती थी। इस साल प्रो लीग के यूरोपियन लेग में भी भारत ने पाकिस्तान को लगातार दो मुकाबलों में 7-1 और 4-3 से हराया था। 53 साल पहले जहां भारत-पाकिस्तान खेले, फिर वहीं मुकाबला-वैगनर स्टेडियम में दोनों टीमों के बीच 1973 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल खेला गया था। इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 1-0 से हराकर

सरकार 5 साल में खेलों पर रु36,441 करोड़ खर्चेगी,2036 ओलिंपिक में टॉप-10, 2048 में टॉप-5 आने का टारगेट-पिछली बार 71वां नंबर था

स्पोर्ट डेस्क। भारत सरकार अगले 5 साल में खेलों में 36,441 लक्ष्य 2036 ओलिंपिक की मेडल लिस्ट के टॉप-10 और 2048 था। 2036 ओलिंपिक में 12 से 14 गोल्ड का टारगेट-2036 में जाएगा। खिलाड़ियों की संख्या 10 गुना करने का लक्ष्य एसएआई रीजनल सेंटर मुंबई के क्षेत्रीय निदेशक पांडुरंग चाटे ने कहा कि रिवैंप्ड खेलो इंडिया योजना का मकसद अलग-अलग योजनाओं के बजाय खिलाड़ियों के लिए पूरी खेल यात्रा तैयार करना है।

रिवैंप्ड योजना का बजट 8 गुना बढ़ाने का लक्ष्य है। 2026 से 2031 के बीच योजना के तहत मदद पाने वाले खिलाड़ियों की संख्या भी 10 गुना बढ़ाई जाएगी। 30 हजार प्लेयर्स को फायदा, 60फीसदी केंद्र खर्च करेगी-रिवैंप्ड योजना के तहत केंद्र और राज्य के बीच खर्च बांटने का अनुपात 60:40 रखा गया है।

इसमें 30 हजार खिलाड़ियों को सहयोग देने का प्लानिंग है। एसएआई रीजनल सेंटर मुंबई ने एक रिलीज में कहा कि रिवैंप्ड खेलो इंडिया योजना महाराष्ट्र के मौजूदा स्पोर्ट्स इको सिस्टम को मजबूत करने का मौका देगा।

करोड़ रुपए खर्च करेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ने मंगलवार को बताया कि खेलो इंडिया योजना के तहत यह पैसा 2026 से 2031 तक खर्च किया जाएगा। सरकार ने बजट जारी करने के साथ ओलिंपिक के लिए मेडल टारगेट भी तय किए हैं। सरकार का ओलिंपिक में टॉप-5 देशों में जगह बनाना है। भारत 2036 ओलिंपिक की मेजबानी करना चाहता है, जबकि 2048 ओलिंपिक में भारत की आजादी के 100 साल पूरे हो चुके होंगे। भारत ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिर्फ 6 मेडल जीते थे। मेडल टेली में भारत 71वें स्थान पर 12-14 गोल्ड समेत कुल 30-35 मेडल और 2048 में 35-40 गोल्ड समेत कुल 90-100 मेडल जीतने का लक्ष्य रखा गया है।

इसे हासिल करने के लिए प्रतिभाओं की पहचान, खेल ढांचे में सुधार, कोचिंग की क्वालिटी बढ़ाने, खेल विज्ञान और टेक्नोलॉजी पर फोकस किया

वीनस विलियम्स को यूएस ओपन का वाइल्ड कार्ड,सेरेना के लिए एक जगह रोकी, 46 की उम्र में फिर उतरेंगी

स्पोर्ट डेस्क। 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स मुख्य ड्रॉ के लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। टूर्नामेंट ने एक और वाइल्ड कार्ड की घोषणा रोक रखी है। यह जगह उनकी छोटी बहन और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स को मिल सकती है। सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए टेनिस में वापसी की थी। 46 साल की उम्र में यूएस ओपन खेलेंगी वीनस- 46 साल की वीनस पिछले साल भी वाइल्ड कार्ड के जरिए यूएस ओपन में खेली थीं। उन्होंने 2023 के बाद पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) के अनुसार, वीनस 1981 में 47 साल की उम्र में खेलने वाली रेनी रिचर्ड्स के बाद यूएस ओपन सिंगल्स में उतरने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। वीनस ने 2000 और 2001 में यूएस ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 5 विंबलडन सिंगल्स खिताब भी अपने नाम किए हैं। हालांकि, मौजूदा समय में उनकी सिंगल्स फॉर्म अच्छी नहीं है। वह जुलाई 2025 से अपने पिछले 14 डब्लूटीआई सिंगल्स मैच हार चुकी हैं। सेरेना ने विंबलडन में की थी वापसी-44 साल की सेरेना ने इस साल विंबलडन में सिंगल्स के जरिए वापसी की थी। यह 2022 ऊए ओपन के बाद किसी ग्रैंड स्लैम के सिंगल्स ड्रॉ में उनका पहला मैच था। हालांकि, उन्हें पहले ही राउंड में हार मिली थी। इसके बाद उन्होंने फिट रहने पर टेनिस खेलना जारी रखने की इच्छा जताई थी। अब यूएस ओपन के लिए एक विमेंस वाइल्ड कार्ड की घोषणा बाकी है। अगर सेरेना न्यूयॉर्क में खेलने का फैसला करती हैं तो उन्हें यह जगह मिल सकती है। चार साल बाद साथ डबल्स खेलीं, सिनसिनाटी में हारीं- वीनस और सेरेना ने सोमवार को सिनसिनाटी ओपन में डबल्स मैच खेला। यह 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार था जब दोनों बहनें किसी टूर्नामेंट में साथ डबल्स खेल रही थीं।

क्यों होती है नोज ब्लीडिंग,गर्मी में बढ़ता रिस्क, समझें नाक से खून आए तो क्या करें, क्या गलतियां न करें

नयी दिल्ली।` हवा रूखी हो जाती है। इससे सांस लेते समय नाक की म्यूकस लेयर इरिटेट होने लगती है। इसके कारण ब्लड वेसल्स फटने से कभी-कभार नाक से ब्लड आ सकता है। इसे हिंदी में नकसीर (नोज ब्लीड) और मेडिसिन की भाषा में 'एपिस्टैक्सिस' कहा जाता है। शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन से नाक की नाजुक ब्लड वेसल्स ड्राई होकर फट सकती हैं। इससे अचानक ब्लीडिंग शुरू हो सकती है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' के मुताबिक, दुनिया में लगभग 60फीसदी लोग जीवन में कभी-न-कभी नाक से खून आने की समस्या का सामना करते हैं। ज्यादातर मामलों में यह स्थिति मामूली होती है, लेकिन कुछ मामलों में ये किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज हम 'नोज ब्लीड' की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे- नोज ब्लीड क्यों होता है? नाक से खून आने पर तुरंत क्या करें? किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? सवाल- नोज ब्लीड क्या है? जवाब- इसमें नाक के अंदर की नाजुक ब्लड वेसल्स फटने से खून आने लगता है। यह आमतौर पर दोनों नॉस्ट्रिल्स (नथुनों) में से किसी से भी हो सकता है।

यह ज्यादातर मामलों में गंभीर नहीं होता है। सवाल- नोज ब्लीड क्यों होता है? जवाब- यह आमतौर पर ड्राई एयर से म्यूकस के इरिटेट होने और डिहाइड्रेशन के कारण होता है।

अब इन कारणों को विस्तार से समझते हैं- तेज धूप, ड्राई और गर्म हवा गर्मियों में हवा का मॉइश्चर लेवल कम हो जाता है।इससे नाक की अंदरूनी लेयर सूख जाती है।

इससे नाक की नाजुक ब्लड वेसल्स फट सकती हैं और खून नाक से ब्लड आ सकता है। नाक में उंगली डालना नाक में उंगली या कोई चीज डालने से अंदर की स्किन में खरोंच आ सकती है।इससे नाक से खून आ सकता है। बच्चों की अंदरूनी लेयर नाजुक होने से उन्हें ज्यादा रिस्क होता है। एलर्जी या सर्दी-जुकाम एलर्जी, सर्दी या साइनस में नाक बहने से अंदरूनी लेयर कमजोर हो जाती है। इससे ब्लीडिंग का रिस्क बढ़ जाता है। चोट लगना- नाक या चेहरे पर चोट लगने से अंदर की ब्लड वेसल्स डैमेज हो सकती हैं। इससे तुरंत या कुछ समय बाद खून आ सकता है। नेजल स्प्रे का ज्यादा उपयोग लंबे समय तक एंटीहिस्टामिन नेजल स्प्रे का यूज म्यूकस को ड्राई कर देता है। इससे नोज ब्लीडिंग हो सकती है। ब्लड थिनर दवाएं-ब्लड थिनिंग मेडिसिन लेने से ब्लड की क्लॉटिंग कैपेसिटी कमजोर हो जाती है।इससे हल्की चोट या ड्राईनेस में भी ब्लीडिंग हो सकती है।

हाई ब्लड प्रेशर- हाई बीपी में ब्लड वेसल्स पर दबाव बढ़ जाता है। इससे वे फट सकती हैं और नोज से ब्लीडिंग हो सकती है। स्मोकिंग और केमिकल्स- स्मोकिंग और केमिकल्स के संपर्क से नाक में जलन और ड्राईनेस होती है।

इससे ब्लीडिंग का जोखिम बढ़ जाता है। ब्लड से जुड़ी बीमारियां-हीमोफीलिया जैसी बीमारियों में ब्लड क्लॉटिंग में दिक्कत होती है।

इससे बार-बार या देर तक नोज ब्लीडिंग हो सकती है।यह नाक के अंदर ट्यूमर या पॉलिप का संकेत हो सकता है। जैसेकि- हाई ब्लड प्रेशर। बार-बार होने वाली एलर्जी या साइनस इन्फेक्शन। खून से जुड़ी बीमारियां (जैसे हीमोफीलिया)। विटामिन सी और के डेफिशिएंसी। लिवर और किडनी से जुड़ी प्रॉब्लम्स। नाक में पॉलिप या ट्यूमर। एथेरोस्क्लेरोसिस (धमनियों का सख्त होना)। प्लेटलेट्स की कमी। ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर)। सवाल- किन लोगों को नोज ब्लीड का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- उम्र, हेल्थ कंडीशन और वातावरण के कारण कुछ लोगों को नोज ब्लीड का रिस्क ज्यादा होता है। जैसेकि- 2 से 10 साल के बच्चे- ड्राई एयर, सर्दी-एलर्जी और नाक में उंगली या चीजें डालने की आदत के कारण रिस्क ज्यादा रहता है। 45 से 80 साल के वयस्क- इस उम्र में ब्लड क्लॉटिंग में समय लगता है। साथ ही हाई बीपी, एथेरोस्क्लेरोसिस (धमनियों का सख्त होना) और ब्लीडिंग डिसऑर्डर का रिस्क बढ़ जाता है। गर्भवती महिलाएं- प्रेग्नेंसी में नाक की ब्लड वेसल्स फैल जाती हैं, जिससे उन पर दबाव बढ़ता है और ब्लीडिंग की का रिस्क बढ़ जाता है।

ब्लड थिनर दवाएं लेने वाले लोग- एस्पिरिन या वॉरफारिन जैसी दवाओं से खून जल्दी नहीं जमता। इससे नोज ब्लीड का रिस्क बढ़ जाता है।

ब्लड क्लॉटिंग डिसआर्डर से पीड़ित लोग- हीमोफीलिया जैसी बीमारियों में बार-बार या हैवी ब्लीडिंग हो सकती है। एलर्जी या साइनस की समस्या वाले लोगों में भी यह रिस्क ज्यादा होता है। सवाल- क्या गर्मियों में नोज ब्लीड का रिस्क बढ़ जाता है?जवाब- हां, तेज गर्मी और सूखी हवा नाक की अंदरूनी लेयर को ड्राई कर देती है। इससे नाक की नाजुक ब्लड वेसल्स कमजोर हो जाती हैं और इनके फटने का रिस्क बढ़ जाता है। डिहाइड्रेशन भी नाक की अंदरूनी लेयर को ड्राई बना देती है। इससे ब्लीडिंग का रिस्क और बढ़ जाता है। सवाल- नाक से खून आने पर तुरंत क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं, सही तरीके से तुरंत प्राथमिक इलाज करने से ब्लीडिंग कंट्रोल हो सकती है। ज्यादातर मामलों में नोज ब्लीडिंग सामान्य है। लेकिन कुछ स्थितियों में तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। सवाल- क्या खानपान का भी नोज ब्लीड पर असर पड़ता है? जवाब- हां, इसका नोज ब्लीड पर सीधा असर पड़ता है। सही डाइट नाक की नॉस्ट्रिल्स को मजबूत रखती है, जबकि गलत खानपान से समस्या बढ़ सकती है। जैसेकि- कम पानी पीने से नाक की म्यूकस लेयर ड्राई हो सकती है। इससे ब्लीडिंग का रिस्क बढ़ता है। विटामिन सी की कमी से ब्लड वेसल्स कमजोर हो सकती हैं। इसलिए भोजन में साइट्रस फूड शामिल करें। विटामिन के ब्लड क्लॉट बनाने में मदद करता है। इसकी कमी से ब्लड क्लॉटिंग देर से होती है। ज्यादा मसालेदार और गर्म तासीर वाला भोजन शरीर में गर्मी बढ़ाकर नोज ब्लीड का रिस्क बढ़ा सकता है। कैफीन और अल्कोहल शरीर को डिहाइड्रेट करते हैं, जिससे नाक की प्रोटेक्टिव लेयर ड्राई हो सकती है। न्यूट्रिशन की कमी से भी ब्लड वेसल्स कमजोर हो सकती हैं। लाइफस्टाइल और डाइट में क्या बदलाव करें? दिनभर पर्याप्त पानी पिएं, शरीर को हाइड्रेट रखें। तरबूज, खीरा, संतरा जैसे पानी और विटामिन से भरपूर फल खाएं। विटामिन सी और के से भरपूर डाइट (हरी सब्जियां, फल) लें। बहुत ज्यादा मसालेदार और गर्म तासीर वाले भोजन से बचें। घर में ह्यूमिडिटी बनाए रखें, जरूरत हो तो ह्यूमिडिफायर यूज करें।सलाइन स्प्रे या हल्का मॉइश्चर इस्तेमाल करें।

नाक को जोर से न फूंकें और बार-बार छेड़ने से बचें। धूल, धुआं और केमिकल्स से दूरी बनाएं। धूप में निकलते समय सिर और नाक को कवर करें। स्मोकिंग और ड्रिंकिंग बिल्कुल न करें।

नोज ब्लीड से जुड़े कुछ जरूरी सवाल-जवाब- सवाल- क्या नोज ब्लीड खतरनाक हो सकता है? जवाब- आमतौर पर नहीं, लेकिन बार-बार या ज्यादा खून आने पर यह किसी बीमारी का संकेत हो सकता है।

सवाल- क्या सिर पीछे करने से नोज ब्लीड रुकता है? जवाब- नहीं, इससे खून गले में जा सकता है।इसलिए हमेशा सिर थोड़ा आगे झुकाना चाहिए। सवाल- क्या एसी में रहने से नोज ब्लीड का रिस्क कम होता है?

जवाब- नहीं, एसी की सूखी हवा नाक को ड्राई करके रिस्क बढ़ा सकती है। सवाल- नोज ब्लीड का इलाज कैसे होता है? जवाब- हल्के मामलों में नाक दबाकर और ठंडी पट्टी से कंट्रोल हो जाता है। जबकि गंभीर मामलों में डॉक्टर दवा देते हैं या अन्य इलाज करते हैं।

दुनिया में देश की अच्छी छवि पेश करना भी हमारा फर्ज है

किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय पर्यटकों के बारे में सर्च कर लीजिए, विदेश यात्राओं के दौरान उनके

व्यवहार, या कहें दुर्व्यवहार के अनेक वीडियो सामने आ जाएंगे। एक समूह चीन की दीवार पर उत्सवी परिधान पहनकर गरबा कर रहा है। दूसरा वियतनाम में हनोई की प्रसिद्ध ट्रेन स्ट्रीट पर शाहरुख खान के गीत 'छैंया छैंया' पर नाच रहा है। एक ग्रुप वियतनाम के ही एक एयरपोर्ट में रनवे के समीप की सड़क पर डांस कर रहा है, जिससे वहां का सुरक्षा स्टाफ परेशान नजर आता है। जबकि एक अन्य, अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर स्थित इगुआजु फॉल्स की बोट सफारी करते हुए 'इंडिया, इंडिया' के नारे लगा रहा है। इससे पहले उन्हीं लोगों ने नाव में चढ़ते वक्त कतार तोड़ने की कोशिश में धक्का-मुक्की भी की थी। पेरिस, लंदन, बैंकॉक, बाली तक ऐसे कई उदाहरण आपको दिख जाएंगे। विरले ही ऐसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल बचे होंगे, जहां भारतीय पर्यटकों ने व्यवस्था में खलल न डाला हो। एक वक्त था, जब विदेशों में अपने अक्खड़ रवैये के कारण अमेरिकी पर्यटकों को 'द अगली अमेरिकन' कहा जाने लगा था। लगता है भारतीयों पर भी वैसा ही ठप्पा लगने जा रहा है, क्योंकि उनमें से कई स्थानीय भावनाओं की अनदेखी करते पाए जा रहे हैं। यह कहना सही नहीं होगा कि सभी भारतीय पर्यटक ऐसा दुर्व्यवहार करते हैं। असल में तो यात्रा-शिष्टाचार के उल्लंघन को लेकर सोशल मीडिया पर जो नाराजगी दिखाई देती है, वह ज्यादातर भारतीय ही जताते हैं। क्योंकि उन्हें डर है कि मुट्ठीभर लोगों के बिगड़ैल रवैये से न केवल विदेशों में भारत की छवि बिगड़ती है, बल्कि उनके लिए भी माहौल खराब होता है। लेकिन उनके चिंता जताने के बावजूद भारतीय पर्यटकों को लेकर ऐसी कहानियां सामने आती रहती हैं कि वे कीमतों को लेकर उग्र होकर मोलभाव करते हैं, वेटरों और दुकानदारों से रूखेपन से बात करते हैं और यहां तक कि होटलों से साबुन, तौलिया जैसी चीजें भी चुरा लाते हैं। हाल ही में उद्योगपति हर्ष गोयनका ने 'एक्स' पर अपने साथ हुई ऐसी शर्मनाक घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि ऐसे व्यवहार के कारण 'ब्रांड इंडिया' को कैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि स्विट्जरलैंड के पर्यटन स्थल ग्स्टाड के एक होटल में भारतीय पर्यटकों के लिए विशेष नियमों की सूची देखकर वे हैरान रह गए। होटल के हर कमरे में लगे नोटिस में भारतीयों के लिए चेतावनी थी कि वे मुफ्त ब्रेकफास्ट बुफे से खाना बाहर न ले जाएं। सिर्फ उपलब्ध कराई गई कटलरी ही इस्तेमाल करें और बालकनी तथा गलियारों में शोर न मचाएं। उन्होंने एक और घटना बताई कि एक भारतीय कारोबारी किसी साल दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक में गए और रेस्तरां में इतना तेज पंजाबी म्यूजिक बजाने लगे कि पूरा शहर सुन ले। वे इसे भारत की 'सॉफ्ट पावर' का प्रदर्शन बता रहे थे। असल बात यह है कि देश में रहकर सिविक सेंस की जो कमी हम प्रदर्शित करते हैं, वो अब विदेश में भी नजर आने लगी है। रोजाना हम देखते हैं कि हवाई जहाजों और रेस्तरां में बच्चों को उछल-कूद मचाने दिया जाता है। माता-पिता दूसरों को हो रही परेशानी से बेखबर बैठे रहते हैं। लोग सड़क पर चॉकलेट के रैपर और चिप्स के खाली पैकेट फेंक देते हैं। सोमवार को किसी सार्वजनिक पार्क में जाइए, जहां परिवारों ने रविवार को पिकनिक मनाई हो। जगह-जगह कागज की प्लेटें, गिलास और जूठन तक बिखरी होती है, जबकि वहां बाकायदा कूड़ेदान लगे होते हैं। कई देशों में, खासकर विकसित देशों में, बुनियादी सिविक सेंस स्कूलों से ही सिखाया जाता है और घरों में उसका पालन कराया जाता है। लेकिन लगता है कि शायद हमने अच्छे नागरिक बनने के महत्व को भुला दिया है। थाईलैंड ने अवांछित पर्यटकों को छांटने के लिए वीसा नीति में बदलाव किया है। उसने 93 देशों के लिए वीसा-मुक्त प्रवेश समाप्त कर दिया है और भारत भी उनमें शामिल है, जबकि भारत से सर्वाधिक पर्यटक थाईलैंड जाते हैं। आज भारतीयों की वैश्विक मौजूदगी बढ़ी है। पर इसका यह भी मतलब है कि हमारे पर्यटकों की निगरानी अधिक होती है। ऐसे में हमारा फर्ज बनता है कि हम अपनी और अपने देश की बेहतर छवि पेश करें। आखिरकार, पर्यटक भी राजनयिकों की भांति ही भारत के प्रतिनिधि हैं। आज भारतीयों की वैश्विक मौजूदगी बढ़ी है। इसका यह भी मतलब है कि हमारे पर्यटकों की निगरानी अधिक होती है। ऐसे में हमारा फर्ज है कि हम देश की बेहतर छवि पेश करें। पर्यटक भी राजनयिकों की भांति भारत के प्रतिनिधि हैं।(ये लेखिका के अपने विचार हैं,आरती जेरथ)

भारतीय युवाओं के सामने उभरती चुनौतियां

लेखक - श्री अमरनाथ सक्सेना, चीफ टेक्निकल ऑफिसर - कमर्शियल, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड)

भारत की 26फीसदी आबादी ऐसे लोगों की है जिनकी उम्र 15 से 29 साल के बीच है। भारत को इस बात पर गर्व है कि उसके पास युवा प्रतिभाओं

की भरमार है। ये युवा डिजिटल तौर-तरीकों को अच्छी तरह से समझते हैं, वे महत्वाकांक्षी हैं और कुछ नया प्रयोग करने से लेकर नए क्षेत्रों में कदम रखने से वे हिचकिचाते नहीं हैं। वे हमारे देश को विकास के अगले स्तर तक ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि इन उम्मीदों के साथ उन्हें कुछ नए तरह के जोखिमों से दो-चार होना पड़ रहा है, जिसका सामना पिछली पीढ़ी ने कभी नहीं किया था। साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधी ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट को हैक कर सकते हैं, और जो शॉपिंग वेबसाइटें बेहद सुरक्षित और भरोसेमंद दिखाई देती हैं, वहां भी लोग ठगी का शिकार बन सकते हैं। इससे आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है और यह एक गंभीर समस्या का रूप भी धारण कर सकती है। इसका असर केवल आर्थिक नुकसान तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि इसकी वजह से लोगों को गंभीर तनाव से गुज़रना पड़ता है, उनका मानसिक संतुलन बिगड़ता है और उन्हें चिंताजनक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठकर काम करने से लोगों में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं। वर्ष 2025 में भारत में 7फीसदी से अधिक ग्राहकों के साथ डिजिटल लेन-देन के दौरान धोखाधड़ी करने की कोशिश की गई, जो कि वैश्विक दर की तुलना में दोगुनी रही। डिजिटल खतरों में बढ़ोत्तरी-आज के दौर में स्मार्टफोन और टैबलेट शिक्षा, मनोरंजन से लेकर लोगों से संपर्क बनाने और यहां तक कि करियर बनाने की दिशा में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार 15 से 29 साल की उम्र के जिन लोगों के पास मोबाइल है, उनमें से 95.5फीसदी लोग ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं, जबकि शहरों में इसी उम्र के 97.6फीसदी लोगों के पास अपना स्मार्टफोन है। गौरतलब है कि जहां टेक्नोलॉजी ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाया है, वहीं इसकी वजह से वे गंभीर जोखिमों के प्रति असुरक्षित भी बन गए हैं। साइबर धोखाधड़ी जैसे कि पहचान चुराना, फिशिंग अटैक और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। युवा लोग जो अक्सर ऑनलाइन लेन-देन करते हैं, डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए निवेश करते हैं और कई पेमेंट एप्लीकेशन का इस्तेमाल करते हैं, यहां वे अक्सर साइबर अपराधों की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान को गंभीरता से नहीं लेते हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के अनुसार वर्ष 2021 से जून 2025 तक के बीच 65.9 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। ये आंकड़ें दर्शाते हैं कि भारत में न केवल साइबर खतरों से जुड़े मामलों में वृद्धि हुई है, बल्कि ये मामले तेज़ी से बढ़ भी रहे हैं। सिर्फ एक साइबर घटना आपको भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने, कानूनी दिक्कतों में डालने और भावनात्मक रूप से तोड़ने के लिए काफी हो सकती है। कई युवा नौकरीपेशा लोग इस बात से अनजान होते हैं कि भारत में अब लोगों के लिए खास साइबर इंश्योरेंस पॉलिसियां उपलब्ध हैं। ये पॉलिसियां अनाधिवृत्त डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, पहचान चुराना, ऑनलाइन वसूली और साइबर खतरों से प्रभावित हुए डिजिटल उपकरणों को ठीक करने में होने वाले खर्चों के लिए आर्थिक मदद पेश करती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल जीवनशैली हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बनती जा रही है, वैसे-वैसे युवा पीढ़ी के लिए साइबर इंश्योरेंस भी हेल्थ इंश्योरेंस जितना ज़रूरी बनते जा रहा है। साइबर अपराधी युवाओं को कई तरह से ठगी का शिकार बना सकते हैं, इसलिए साइबर खतरों से बचने के लिए आपके पास साइबर इंश्योरेंस का होना बेहद ज़रूरी है। साइबर अपराध और उसे अंजाम देने के तरीके-जब ऑनलाइन शॉपिंग की बात आती है, तो विभिन्न सोशल मीडिया साइटों पर हमें तरह-तरह के विज्ञापन दिखते हैं और ये युवाओं को खासतौर पर आकर्षित करते हैं, क्योंकि इन पर ज़बरदस्त सेल ऑफर नज़र आता है। कई विज्ञापनों में तो ऐसे लुभावने प्रोडक्ट होते हैं, जो युवाओं को लगातार अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उसके बाद जैसे ही खरीदार भुगतान कर देते हैं, वैसे ही फर्जी विक्रेता गायब हो जाते हैं। बाद में उनकी ऑनलाइन मौजूदगी का कोई नामोनिशान तक नहीं मिलता। इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों को ढूंढने की सारी कोशिशें नाकामयाब हो जाती हैं और खरीदार को अपने पैसे गंवाने पड़ते हैं। कुछ मामलों में ऐसे विज्ञापनों की लिंक पर टैप या क्लिक करने से आपके मोबाइल पर मैलवेयर इंस्टॉल हो सकता है, जिसकी वजह से आपकी पहचान चुराई जा सकती है और यहां तक कि लोगों के पैसों की डिजिटल चोरी हो सकती है और वे ऑनलाइन वसूली का शिकार भी बन सकते हैं। युवाओं को इस बात की भी सावधानी बरतनी चाहिए कि ऑनलाइन लिंक में छिपा मैलवेयर उनके डिवाइसों को खराब कर सकता है। व्यक्तिगत साइबर पॉलिसी लोगों को कई तरह के कवर पेश करती है, जो कि उपरोक्त घटनाओं की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान से सुरक्षा प्रदान करती है। जहां ऑनलाइन शॉपिंग कवर फर्जी शॉपिंग वेबसाइट या ऐप पर की गई खरीदारी से हुए आर्थिक नुकसान से सुरक्षा पेश करता है, वहीं डेटा रिस्टोरेशन कवर मैलवेयर हमले के बाद डिवाइस को सुरक्षित रखने और उसे पुरानी स्थिति में वापस लाने के लिए आईटी पेशेवरों पर होने वाले खर्चों से आपको बचाता है। स्वास्थ्य संबंधी विकार और इंश्योरेंस की अहमियत-आज के भारतीय युवा जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह है जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां। हाल के अध्ययन पुष्टि करते हैं कि भारतीय युवाओं में डायबिटीज़, कार्डियक अरेस्ट जैसे मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जबकि पहले ये बीमारियां अधेड़ उम्र के लोगों को होती थीं। हाल की रिपोर्टों के अनुसार लगभग 18-40 साल की उम्र के 18फीसदी लोग डायबिटीज़ से जूझ रहे हैं, जबकि 25फीसदी लोग प्री-डायबिटीक हैं। इससे यह बात पता लगती है कि पहले डायबिटीज़ को अधेड़ उम्र में होने वाला रोग माना जाता था, लेकिन अब यह विचारधारा बदल रही है। अध्ययन दर्शाते हैं कि 40 साल से कम उम्र के लोगों में कार्डियक के मामले बढ़ रहे हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है। इन बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, युवाओं के लिए बेहद ज़रूरी है कि वे अपने लिए एक ज़बरदस्त हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ज़रूर चुनें। और तो और युवाओं के लिए यह भी ज़रूरी है कि वे इसे कम से कम उम्र में लें, ताकि सेहतमंद रहते हुए वे पॉलिसी की प्रतीक्षा अवधि पूरी कर लें। इससे यह बात भी पक्की हो जाएगी कि उन्हें फटाफट कवरेज मिलेगा और जब उन्हें इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत होगी, तब वे इसे अच्छी तरह से इस्तेमाल कर पाएंगे। जब भी हेल्थ इंश्योरेंस चुनने की बात आए, तो सूझबूझ के साथ ऐसी पॉलिसी लें जिसमें ओपीडी कवर शामिल हो। इस तरह का कवर मामूली बीमारी/विकार के इलाज के लिए खासतौर पर फायदेमंद है, जिसमें आपको अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत नहीं होती और डॉक्टर की सलाह और बताई गई दवाइयों से आसानी से इलाज हो सकता है। इसके अलावा, एक और चुनौती जिसका यह देश सामना कर रहा है वह है कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों में आ रही तेज़ी। इसी के मद्देनज़र बेहतर है कि आप क्रिटिकल इलनेस पॉलिसी कवर का चयन करें। यह एक लाभ-आधारित पॉलिसी है,

जिसमें कैंसर, कार्डियक सर्जरी के साथ-साथ कई दूसरी बीमारियों का पता लगने पर आपको एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है।

संक्षेप में, इस डिजिटल दौर में भारत के युवा दर्शाते हैं कि वे इस देश की सबसे बड़ी ताकत तो हैं, लेकिन सबसे ज़्यादा साइबर खतरों का सामना भी इसी वर्ग को करना पड़ता है। जहां स्मार्टफोन और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शिक्षा, करियर और दुनिया से संपर्क बनाने के लिए नए-नए अवसर पेश कर रहे हैं, वहीं इन्हीं के ज़रिए भारतीय युवा साइबर धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, मानसिक स्वास्थ्य की समस्या और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे गंभीर खतरों का सामना भी कर रहे हैं।

इन सभी बिंदुओं को देखते हुए पता लगता है कि इन युवाओं को साइबर इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस दोनों में निवेश करना चाहिए, ताकि वे न केवल डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षित रहें, बल्कि उनकी सेहत की भी सुरक्षा हो।

इससे भारतीय युवा अचानक से आने वाले किसी भी साइबर खतरे से सुरक्षित रहने के साथ-साथ अपनी आकांक्षाएं भी आसानी से पूरी कर पाएंगे।

नौकरी के लिए कम्युनिकेशन के साथ क्रिटिकल थिंकिंग और चिंतन भी जरूरी है

मेरे सामने 22 लोग थे और सामने मैं अकेला खड़ा था। दो मिनट पहले प्रोफेसर-इंचार्ज ने अपनी बात खत्म की थी, जिसमें उन्होंने कहा कि 'यह आपका आखिरी मौका है। अगर नौकरी

पाना चाहते हो तो अगले सात दिन कुछ कौशल सीखने होंगे।' मेरी ओर इशारा करके उन्होंने कहा कि 'हमने कम्युनिकेशन स्किल्स और क्रिटिकल थिंकिंग के लिए सबसे अच्छा व्यक्ति बुलाया है। यही दो वजहें हैं, जिनके कारण आपको मनचाही नौकरी नहीं मिली।' उनकी बात सुनकर मुझे अंग्रेजी का एक शब्द याद आया- 'ग्रूहो'। यानी ऐसे विचार, वाक्यांश या विषय, जो बार-बार दोहराए जाने से अपना असर और ताजगी खो चुके। मैं उनके चेहरों को पढ़ सकता था, जो चुप रह कर भी मेरे कानों में बहुत कुछ कह रहे थे। मैंने दो छात्रों की ओर इशारा करके कहा, 'क्या आप दोनों सोच रहे हो कि यह कितना उबाऊ और बनावटी है?' दोनों ने झेंपते हुए मुस्कराकर सिर हिला दिया। मैंने पूछा, 'आपको क्या लगता है, मैंने वही शब्द कैसे जान लिए, जो आपके दिमाग में चल रहे थे?' मैंने पूछा, 'जल्दी बताओ आपके मन में कौन-से शब्द आए? 'मुझे नहीं पता' या 'हमें कैसे पता?' संयोग से आप दोनों ने दूसरा वाला सोचा था। वे फिर मुस्कराए और साथ में मैं भी जोर से हंस पड़ा। उनके शब्दों में खुद का मजाक उड़ाने की मेरी क्षमता ने उन्हें सहज कर दिया। मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैंने कहा कि 'अगर आप फिर सोच रहे हो कि मुझे कैसे पता चला तो मेरा जवाब है कि मैं आप सबकी ऊर्जा, भावना, झिझक, खामोशी और बॉडी बिहेवियर पर अधिक ध्यान देता हूं। इस दुनिया में आप जैसे बहुत लोग हैं, जो बाहर जितना दिखाते हैं, उससे

कहीं ज्यादा अपने भीतर लिए घूमते हैं। दूसरे लड़के की तरफ इशारा करके मैंने कहा कि 'जो व्यक्ति हंस रहा हो, वह सबसे ज्यादा तनावग्रस्त हो सकता है।' फिर सबसे दूर बैठे व्यक्ति को दिखाते हुए कहा कि 'कोई शांत व्यक्ति बहुत गहरी सोच में हो सकता है।' जब आप लोगों के साथ ज्यादा काम करते हैं तो आपको पता चलता है कि बहुत कम मामलों में कम्युनिकेशन का शब्दों से कोई लेना-देना होता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर आप सच में कम्युनिकेशन और क्रिटिकल थिंकिंग सीखना चाहते हैं तो चिंतन का अभ्यास सबसे सही तरीका है। अब तो इंटरव्यू के पैटर्न तक बदल रहे हैं। रिक्रूटर्स पूछने लगे हैं कि 'आपने अपनी यूनिवर्सिटी या पिछली नौकरी में ऐसा क्या सीखा, जो हमारी कंपनी के नवसृजित पद पर आपको सफल करेगा?' पहली नौकरी के लिए आवेदन करने वाले स्टूडेंट या नौकरी बदलना चाह रहे लोगों से सोच-समझकर जवाब देने की उम्मीद की जाती है। और ऐसे समझदारी भरे जवाब देने के लिए जो गुण जरूरी है- वह है 'चिंतन'। ज्यादातर सेंटर ऑफ डेवलपमेंट खास पेशों के लिए सीमित कौशल सिखाते हैं, ताकि लोग यूनिवर्सिटी खत्म करके पहली नौकरी हासिल कर सकें। लेकिन जब वे अपने हर अनुभव पर चिंतन की क्षमता विकसित कर लेते हैं तो वे अचानक परिपक्व दिखाई देने लगते हैं। लिंक्डइन का अनुमान है कि वर्कफोर्स में आज प्रवेश कर रहे लोगों के करियर में नौकरियों की संख्या उन लोगों की तुलना में दोगुनी होगी, जिन्होंने 15 साल पहले शुरुआत की थी। कुछ हद तक ऐसा इसलिए है, क्योंकि युवा ग्रेजुएट्स कामकाजी दुनिया में आगे बढ़ने के लिए ट्रांसफरेबल स्किल्स विकसित कर रहे हैं। वे आसपास के लोगों को भी अपने वर्कप्लेस पर अधिक तेज बने रहने में योगदान देंगे। और इस कौशल को ट्रांसफर करने के लिए 'चिंतन' सबसे बड़ा जरिया बनता है। फंडा यह है कि जब स्टूडेंट्स को अपनी सीख को व्यवहार में उतारने के मौके मिलते हैं तो वे स्कूल, कॉलेज और इंटर्नशिप से कहीं बेहतर तैयारी के साथ निकलते हैं, फिर भले ही वो कोई भी रास्ता चुनें। क्योंकि, चिंतन करने से वो जरूरी कौशल उनके डीएनए में शामिल हो जाते हैं। एन. रघुरामन

गिरते रुपये से ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार पर फोकस हो

नागरिकों को अकसर लगता है कि अन्य मुद्राओं की तुलना में उनकी मुद्रा की एक्सचेंज-दर उनकी अर्थव्यवस्था की स्थिति को दर्शाती

है। वे यह भी समझते हैं कि कमजोर मुद्रा, कमजोर अर्थव्यवस्था को दर्शाती है। लेकिन ऐसी 'करेंसी-जिंगोइज्म' (मुद्रा-राष्ट्रवाद) वाली सोच सतही आर्थिक समझ को बताती है। और जब सरकार भी मुद्रा के अवमूल्यन को राष्ट्रीय गौरव के लिए अपमान मानने लगती है और एक्सचेंज-दर को संभालने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार को खर्च करने लगती है, तो यह बेहद महंगा साबित होता है। मुद्रा-राष्ट्रवाद का सबसे प्रसिद्ध उदाहरण 1992 का है, जब पाउंड-स्टर्लिंग यूरोप के एक्सचेंज रेट मैकेनिज्म (ईआरएम) का हिस्सा था। इस कारण ब्रिटेन की मुद्रा का जर्मन मार्क के मुकाबले एक निर्धारित दायरे में रहना जरूरी था। बाजार को लगता था पाउंड का मूल्य अधिक आंका गया है, फिर भी बैंक ऑफ इंग्लैंड पाउंड खरीदता रहा, ताकि मुद्रा को ईआरएम की तय सीमाओं के भीतर बनाए रखा जा सके। सितंबर 1992 के एक ही दिन में यह सब बेकार साबित हो गया था, जब फाइनेंसर जॉर्ज सोरोस ने पाउंड के खिलाफ करीब 10 अरब डॉलर की पोजिशन ले ली। दबाव के चलते ब्रिटिश सरकार को पाउंड-स्टर्लिंग का अवमूल्यन करना पड़ा और ईआरएम से निकलना पड़ा। सोरोस ने इस मुद्रा-कारोबार से 2 अरब डॉलर कमाए और उन्हें बैंक ऑफ इंग्लैंड को कंगाल कर देने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति मिली। इसका एक हालिया उदाहरण जापानी येन को सहारा देने के लिए जापान और अमेरिका की सरकारों द्वारा किया गया हस्तक्षेप है। जनवरी से जापान सरकार अपनी मुद्रा को सहारा देने के लिए 100 अरब डॉलर से अधिक मूल्य का येन खरीद चुकी है। कुछ अनुमानों के मुताबिक यह राशि 150 अरब डॉलर तक हो सकती है। पहला बड़ा हस्तक्षेप अप्रैल और मई में हुआ, जब जापान के वित्त मंत्रालय ने 73 अरब डॉलर मूल्य का येन खरीदा। लेकिन इससे केवल अस्थायी राहत मिली। दो महीने बाद ही, जुलाई में येन गिरकर 1 डॉलर के मुकाबले 163 येन पर आ गया। इसके बाद अमेरिकी ट्रेजरी और जापान के वित्त मंत्रालय के संयुक्त हस्तक्षेप से येन मजबूत होकर 1 डॉलर के मुकाबले 155 येन तक पहुंचा। लेकिन दो सप्ताह से भी कम समय बाद येन को मिली लगभग आधी बढ़त खत्म हो गई है। ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका जरूरत के समय एक मित्र की मदद कर रहा है। हालांकि, अमेरिका का एक छिपा हुआ उद्देश्य जापानी सरकार द्वारा अमेरिकी ट्रेजरी सिक्योरिटीज़ की बिक्री को सीमित करना लगता है। क्योंकि बैंक ऑफ जापान इन प्रतिभूतियों के सबसे बड़े धारकों में से है। वास्तव में इन हस्तक्षेपों के बावजूद पिछले सप्ताह 25 अरब डॉलर मूल्य के 30-वर्ष के अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की नीलामी 5.2 प्रतिशत की यील्ड पर हुई, जो चौथाई सदी में सबसे अधिक है। इसमें भारत के लिए भी कुछ सबक हैं। अव्वल तो यही कि रुपये को सहारा देने के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा को समाप्त न करें। इसके बजाय उन बुनियादी फैक्टरों पर ध्यान दें, जो लम्बे समय तक कायम रहने वाले आर्थिक विकास को निर्धारित करते हैं। पिछले एक साल में रुपया करीब 10फीसदी गिर चुका है। कई विश्लेषकों का कहना है कि सरकार को रुपये को सहारा देना चाहिए, डॉलर के मुकाबले रुपया 100 के स्तर को पार नहीं करना चाहिए। लेकिन इसे लेकर जरूरत से ज्यादा चिंतित होना समझदारी नहीं है। याद रखें कि 1970 के दशक में एक डॉलर की विनिमय दर 10 रुपये से भी कम थी और उस समय कई लोग 10 रुपये प्रति डॉलर को वह मनोवैज्ञानिक सीमा मानते थे, जिसे आरबीआई को पार नहीं करने देना चाहिए। लेकिन जब रुपया उस सीमा को पार कर गया, तो कोई बड़ी विपदा नहीं आ गई थी। पिछले एक साल में रुपया 10फीसद गिर चुका है। लेकिन इस लेकर ज्यादा चिंतित होना समझदारी नहीं। 1970 के दशक में एक डॉलर की विनिमय दर 10 रुपये से भी कम थी। तब कई लोग 10 रुपये को वह मनोवैज्ञानिक सीमा मानते थे, जो पार नहीं होनी चाहिए। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,नीरज कौशल)

सृजन के अनूठे रूपों का प्रमाण है रामचरितमानस

बहुत कम साहित्य ऐसे हैं, जो मनुष्य की रग-रग में बस गए हों, परिवारों की आचार-संहिता बन गए हों। ऐसे ही साहित्य का नाम है- रामचरितमानस। इसके रचयिता तुलसीदास जी की आज जयंती है। पिछले वर्षों में देखा गया है कि तुलसीदास को केवल एक साहित्यकार मानकर आयोजन कर दिए जाते हैं, जबकि वे

मनोवैज्ञानिक ऋषि थे। 450 वर्ष बीत गए हैं रामचरितमानस की रचना हुए। 2 वर्ष, 7 महीने और 26 दिन लगे थे इसकी रचना में। 80 वर्ष के थे तुलसीदास उस समय। कौन कहता है उम्र बाधा बन जाती है। बल्कि होता तो यह है कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, सृजन और निखर जाता है। शब्दों के सृजन के कितने अनूठे रूप हो सकते हैं, रामचरितमानस इसका प्रमाण बन गया। तुलसीदास ने 126 वर्ष की उम्र पूरी की। सवा सौ वर्षों में इन्होंने हजारों साल का काम कर दिया। हम उनसे सबक लें कि परमात्मा के प्रति अटूट भरोसा रखें, योग्यता को लगातार निखारें और इस बात पर ध्यान दें कि उम्र की किस अवधि में कौन-से काम किए जाएं और कौन-से नहीं। पं. विजयशंकर मेहता

अमेरिकी राजदूत बोले- जम्मू-कश्मीर भारत का अहम हिस्सा,आर्टिकल 370 हटने के बाद अमेरिकी राजदूत का पहला दौरा, सीएम उमर से हुई मुलाकात

श्रीनगर। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार से जारी होने वाली ट्रैवल एडवायजरी में वह इस बात का ध्यान केंद्रित करते हुए अमेरिका और भारत के संबंधों पर चर्चा

को कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'मैं पहली बार इस जगह का दौरा कर रहा हूं। यह खूबसूरत जगह है।' धारा 370 हटने के बाद यह किसी अमेरिकी राजदूत का पहला दौरा है। उन्होंने सीएम उमर अब्दुल्ला से मुलाकात भी की। इसके साथ ही गोर ने कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था की तारीफ की। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली और स्थानीय सरकार ने इसके लिए बहुत काम किया है। अमेरिका की तरफ ख्याल रखेंगे। हालांकि, गोर ने किसी भी तरह की घोषणा से इनकार किया। राज्य में धारा-370 हटने के बाद किसी भी अमेरिकी राजदूत का यह पहला आधिकारिक दौरा है। हालांकि, इससे पहले 9 जनवरी 2020 में तत्कालीन अमेरिकी राजदूत केनेथ जस्टर 15 देशों के सरकारी डेलिगेशन के साथ कश्मीर गए थे। उमर बोले- राज्य को लेकर बातचीत का मौका मिला-उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें जम्मू-कश्मीर पर विशेष करने का अवसर मिला। उमर बोले- हमारी बैठक बहुत अच्छी रही। हमें अपने दोनों देशों के बीच संबंधों पर चर्चा करने का मौका मिला, लेकिन विशेष रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि अमेरिका जम्मू और कश्मीर के मामले में क्या कर सकता है। जाहिर है, कुछ पुराने मुद्दे हैं जिन्हें हम समय के साथ सुलझाने का प्रयास करेंगे, लेकिन हम इस बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।

तमिलनाडु में विधायकों को नई कार, रु75 हजार भत्ता मिलेगा, छात्रों के प्रदर्शन पर रोक वाला निर्देश वापस

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को सभी विधायकों को नई सरकारी कार देने और वाहन के रखरखाव, ईंधन और ड्राइवर के खर्च के लिए हर महीने 75 हजार रुपए का भत्ता देने का ट्रांसजेंडर्स को सात सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में मेडिकल और सर्जिकल इलाज की अतिरिक्त सुविधा दी जाएगी। 'आविन' दूध खरीद की कीमत 38 रुपए से बढ़ाकर 41 रुपए लेकर डीएमवेक-टीवीवेक वेक विधायक आमने-सामने आ गए। हंगामा सड़क बनाने के काम में गड़बड़ियों पर चर्चा के दौरान हुआ। दोनों दलों के सदस्यों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए।

ऐलान किया। विधानसभा में विधायकों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। इसी दौरान टीवीके विधायक सिंधु ने तमिल सुपरस्टार और पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) की फिल्म 'पड़गोट्टी' का मशहूर गीत 'कोडुत्तदेलाम कोडुत्तान' गाकर मुख्यमंत्री विजय का आभार जताया। इस गीत का भावार्थ है- 'उसने सब कुछ दिया, किसके लिए दिया, किसी एक के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए।' इसे टीएम सौंदरराजन ने गाया था।उधर, तमिलनाडु सरकार ने छात्रों और युवाओं को लेफ्ट पार्टियों और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों में शामिल होने से रोकने वाला विवादित निर्देश वापस ले लिया है। ट्रांसजेंडर्स का बीमा कवर बढ़ाया-विधायकों को असिस्टेंट रखने के लिए 25 हजार रुपए मासिक भत्ता भी दिया जाएगा। बीमा कवर 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 25 लाख रुपए सालाना करने का ऐलान किया। प्रति लीटर कर दी गई। दूध लोगों को सब्सिडी रेट पर दिया जाता है। इससे सरकार पर हर साल 360 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च आएगा। 3.16 लाख दूध उत्पादकों को फायदा होगा। सरकार ने छात्रों के प्रदर्शन पर रोक वाला आदेश वापस लिया-विजय सरकार ने कॉलेज छात्रों के विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने पर रोक लगाने वाला आदेश एक दिन बाद वापस ले लिया। 18 अगस्त को जारी सर्कुलर में कहा था कि स्कूल-कॉलेज के छात्र और युवा वाम दलों और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों में शामिल नहीं हो सकते। इसमें कहा था कि सरकारी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेजों के प्राचार्यों को छात्रों को ऐसे आयोजनों से दूर रखने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन के साथ समन्वय करने को कहा था। डीएमके-टीवीके विधायक भिड़े, सदन से वॉकआउट-विधानसभा में सड़क बनाने के काम में अनियमितताओं को मंगलवार को डीएमके विधायक ईवी वेलु और लोक निर्माण मंत्री आधव अर्जुन के बीच बहस हुई थी।

यह बहस मुख्यमंत्री कार्यालय को दूसरी जगह ले जाने के लिए जारी 5.54 करोड़ रुपए के टेंडर में अनियमितताओं को लेकर हुई थी। जोसेफ विजय सीएम, तमिलनाडु:- 'मैं पिछली डीएमके सरकार की भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइलें सही समय पर सामने लाऊंगा। मेरे डेस्क पर दो फाइलें हैं।

मुझे अभी ऐसा करने के लिए मजबूर न करें।' AIADMK विधायकों ने तमिलनाडु विधानसभा से वॉकआउट किया।

स्पीकर जेसीडी प्रभाकर ने कहा था कि पार्टी जिस मुद्दे को उठाना चाहती है, उस पर गुरुवार को चर्चा होगी। AIADMK नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने स्पीकर से अपनी पार्टी के नोटिस वाले मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग की, जिसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया।

मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे ट्रांसपोर्ट मंत्री बोले- पहले नोटिस देंगे, 3 महीने में नहीं सीखे तो लाइसेंस रद्द होगा

मुंबई। मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का

राज्य में 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू होगा, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' यानी कामचलाऊ भाषा का ज्ञान नहीं है। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। आरटीओ की टीमें जांच करेंगी, वीडियो रिकॉर्डिंग भी होगी-मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ पूरे महाराष्ट्र में इस एक महीने के अभियान की निगरानी करेंगे। आरटीओ की फ्लाइंग स्क्वॉड ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की जांच करेंगी और नए नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, यह देखेंगी। जांच के दौरान वेरिफिकेशन की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी। वर्किंग नॉलेज का मतलब साफ नहीं, ड्राइवरों में चिंता-सेवा सारथी ऑटो-रिक्शा टैक्सी एंड ट्रांसपोर्ट यूनियन के नेता डीएम गोसावी ने कहा कि सरकार ने मराठी का वर्किंग नॉलेज होना जरूरी कर दिया है, लेकिन यह साफ नहीं किया कि आखिर कितनी मराठी जानना जरूरी होगी।

उनका कहना है कि नियम स्पष्ट नहीं होने पर आरटीओ में भ्रष्टाचार और ड्राइवरों के आर्थिक शोषण की आशंका बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो-टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आए हुए हैं और उन्हें मराठी नहीं आती है।

महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर यूपी, बिहार और दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी डर है। करीब 6 लाख ड्राइवरों को मराठी सिखाने की योजना-सरकार के मुताबिक, महाराष्ट्र में करीब 9.16 लाख ऑटो-रिक्शा और 61,657 टैक्सियां हैं। इनमें बड़ी संख्या मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में चलती हैं। सरकार करीब 6 लाख ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने की पहल से जोड़ना चाहती है। सरनाईक ने बताया कि कुछ महीने पहले शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1,65,601 ड्राइवर शामिल हो चुके हैं। मंत्री सरनाईक खुद ठाणे की सड़कों पर ऑटो चलाते थे-महाराष्ट्र में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों के लिए आदेश जारी करने वाले मंत्री प्रताप सरनाईक की कहानी थोड़ी दिलचस्प है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने ठाणे में खुद ऑटो-रिक्शा चलाया। परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी, इसलिए शुरुआती दिनों में उन्होंने अगरबत्ती और कैलेंडर भी बेचे। बाद में किस्मत बदली और उन्होंने रियल एस्टेट और हॉस्पिटैलिटी कारोबार में कदम रखा। वे विहंग ग्रुप से जुड़े और 2024 के चुनावी हलफनामे में अपना पेशा बिल्डर और होटल बिजनेस बताया। अभी शिंदे गुट की शिवसेना के विधायक हैं।

रामदास आठवले ने ज्यादा समय देने की मांग की-केंद्रीय मंत्री और आरपीआई (ए) प्रमुख रामदास आठवले ने ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों का समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि मराठी नहीं जानने वाले ड्राइवरों पर तुरंत कार्रवाई करना सही नहीं होगा।

आठवले के मुताबिक, कई ड्राइवर मराठी सीख रहे हैं, इसलिए उन्हें और समय दिया जाना चाहिए। परमिट रद्द करने जैसी कार्रवाई से विवाद बढ़ सकता है और दूसरे राज्यों से आए ड्राइवरों की रोजी-रोटी प्रभावित हो सकती है।

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता,सुप्रीम कोर्ट का आदेश

कहा- उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना सभ्य समाज की पहचान

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं।

कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है। सुप्रीम कोर्ट-बच्चों की बेदखली मामले परः- 'बुजुर्ग सिर्फ देखभाल के जरूरतमंद नहीं, वे परिवार और समाज के लिए अनुभव, ज्ञान और सामूहिक स्मृतियों का स्रोत हैं।' लखनऊ के मकान से जुड़ा मामला यह मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रवि कांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने 5 जून 2022 को अपने बेटे को मकान से निकालने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन दिया था। यह मकान उनकी खुद की खरीदी हुई संपत्ति थी। मामला तब सामने आया, जब गुप्ता की 81 साल की मां को घर छोड़कर वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। एसडीएम ने 15 नवंबर 2022 को बेटे की बेदखली का आदेश दिया। जिला मजिस्ट्रेट ने 9 अगस्त 2023 को इसे बरकरार रखते हुए बेटे और बहू को मकान खाली करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने बेदखली का आदेश रद्द किया था-बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का फैसला पलटा-सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि एक्ट की धारा 7 के तहत ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं और धारा 8 उन्हें सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां देती हैं। वहीं, धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर रोक लगाती है। इसलिए ट्रिब्यूनल को कानून के उद्देश्य को लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाने की शक्ति भी है। कोर्ट ने 2021 के फैसले का भी हवाला दिया-कोर्ट ने एस. वनिता बनाम डिप्टी कमिश्नर (2021) मामले का हवाला देते हुए कहा कि माता-पिता या वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। यानी संपत्ति से बच्चों को हटाना भी बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा का एक तरीका हो सकता है। कोर्ट ने बताया कि यही कानूनी स्थिति बाद में समटोला देवी बनाम उत्तर प्रदेश सरकार (2025) और कमलकांत मिश्रा बनाम एडिशनल कलेक्टर (2025) मामलों में भी दोहराई गई।

उड़ान से पहले विमान से टकराया पक्षी,अमृतसर से पुणे की फ्लाइट रद्द, सुरक्षा के चलते लिया फैसला

अमृतसर। अमृतसर में स्थित श्री गुरु रामदास जी की ओर से फ्लाइट को रद्द करने का फैसला लिया गया। एयरपोर्ट यात्रियों को विमान से नीचे उतारा गया। इसके साथ ही

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से पुणे जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-1694 को बर्ड हिट की घटना के बाद रद्द कर दिया गया। फ्लाइट को 18 अगस्त को अमृतसर से पुणे के लिए रवाना होना था, लेकिन उड़ान से पहले ही विमान के साथ बर्ड हिट की घटना सामने आ गई। जानकारी के मुताबिक, विमान से पक्षी के टकराने के बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फ्लाइट को ऑपरेट नहीं किया गया। इसके बाद एयरलाइन डायरेक्टर को भेजे पत्र में रद्द होने की जानकारी-एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से एयरपोर्ट डायरेक्टर को भेजे गए लेटर में भी फ्लाइट रद्द किए जाने की पुष्टि की गई है। लेटर के शुरुआत में फ्लाइट रद्द होने का कारण तकनीकी बताया गया है, जबकि लेटर पर की गई हाथ से लिखी गई नोटिंग में बर्ड हिट और पक्षी के विमान से टकराने का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। यात्रियों का सामान भी वापस सौंपा-फ्लाइट रद्द होने के बाद यात्रियों का सामान भी विमान से बाहर निकालकर उन्हें वापस सौंपने की प्रक्रिया शुरू की गई। अचानक फ्लाइट रद्द होने के कारण यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

फ्लाइट स्टेटस रिकॉर्ड में भी 18 अगस्त 2026 को फ्लाइट आईएक्स-1694 के रद्द रहने की पुष्टि होती है।

फिलहाल बर्ड हिट के बाद विमान की तकनीकी जांच और सुरक्षा प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी पर नजर बनी हुई है।

मंत्र जाप से मनोरथ सिद्ध होते हैं- देव मणि शुक्ल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सर्व शक्ति साधना मंडल, से मन को शांति मिलती है, सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता

नोएडा के संयोजक देव मणि शुक्ल साधक ने सभी सम्मानित गुरु भाइयों एवं बहनों से नियमित रूप से मंत्र जाप करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि मंत्र जाप में अपार शक्ति होती है। श्रद्धा, विश्वास और निरंतर जाप से हमारी आध्यात्मिक शक्ति जागृत होती है तथा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने का मार्ग प्रशस्त होता है। मंत्र जाप है और साधक के मनोरथ सिद्ध होने का मार्ग प्रशस्त होता है। व्यक्ति को चाहिए कि वह पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ मंत्र जाप अनवरत करता रहे। मंत्र जाप हर मुश्किल का समाधान बनने की शक्ति रखता है। इसलिए नियमित रूप से मंत्र जाप करें, श्रद्धा और विश्वास बनाए रखें तथा परम पूज्य गुरुदेव जी की कृपा प्राप्त करें।

पानी से भरे गड्ढे में डूबे 3 बच्चे- मौत,इनमें दो सगे भाई,सीहोर में एलएंडटी कंपनी ने पाइप बिछाने की थी खुदाई

सीहोर। सीहोर में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से पृथ्वीराज और 11 वर्षीय दीक्षांत के रूप में हुई है। प्रशांत और चौबे ने कहा- हादसे में इछावर के वार्ड नंबर 12 के रहने वाले

तीन बच्चों की मौत हो गई। इनमें दो सगे भाई थे। तीनों बच्चे खेलते-खेलते गड्ढे के पास पहुंचे। फिर नहाने के लिए उसमें उतर गए। स्थानीय लोगों ने शव तैरते देखे तो हादसे का पता चला। घटना इछावर में मोगरा रोड पर बुधवार दोपहर करीब एक बजे की है। मृतकों की पहचान 12 वर्षीय प्रशांत, 10 वर्षीय पृथ्वीराज एस/ओ सुभाल बागरी सगे भाई थे।

दीक्षांत के पिता का नाम अखिलेश बागरी है। इलाके में ही रहने वाले जगदीश ने बताया कि जिस गड्ढे में बच्चे डूबे, वह एलएंडटी कंपनी ने पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदा था। पुलिस बोली- सभी पहलुओं की जांच कर रहे-एडिशनल एसपी प्रशांत तीन बच्चों की मौत हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शवों को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा।

चौबे ने कहा- गड्ढे के निर्माण, उसकी स्थिति और संभावित लापरवाही समेत हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की वैधानिक जांच की जा रही है।

राहुल गांधी बोले- मैं लड़ाई में आदिवासीयों के साथ,केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के प्रभावितों से मिले, संसद में मुद्दा उठाने का वादा किया

छतरपुर। छतरपुर में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के खिलाफ चल रहे आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता अमित भटनागर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।इस दौरान उन्होंने प्रोजेक्ट से प्रभावित आदिवासी परिवारों की समस्याओं, विस्थापन, पुनर्वास और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को राहुल गांधी के सामने रखा।आंदोलन कारियों ने राहुल को बताया कि प्रभावित आदिवासी समुदाय लंबे समय से अपने अधिकारों और न्याय की मांग को लेकर सत्याग्रह कर रहा है।उन्होंने आंदोलन के दौरान सामने आई परेशानियों और प्रभावित परिवारों की मांगों की जानकारी भी राहुल को दी। राहुल ने बुधवार को इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। राहुल गांधी ने दिया समर्थन-मुलाकात के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो साझा कर आंदोलन कारियों के संघर्ष का समर्थन किया। उन्होंने कहा- अपने जायज हक की लड़ाई लड़ रहे बुंदेलखंड के निवासी सम्मान और समर्थन के हकदार हैं। राहुल ने भरोसा दिलाया कि

आदिवासी परिवारों की इस लड़ाई में वे और कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। उन्होंने आंदोलन कारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके मुद्दों को आगे उठाने की बात कही। विस्थापन और पुनर्वास का मुद्दा-आंदोलन कारियों ने राहुल गांधी को बताया कि केन-बेतवा प्रोजेक्ट से पन्ना और छतरपुर जिले के बड़ी संख्या में परिवार प्रभावित हो रहे हैं। उनका कहना है कि प्रोजेक्ट के चलते आदिवासी समुदाय को विस्थापन और आजीविका से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावित परिवारों ने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और अपने अधिकारों से जुड़े मुद्दे भी उठाए। आंदोलन कारियों का दावा है कि कई परिवारों को भूमि के बदले भूमि और कानून के तहत मिलने वाले पुनर्वास अधिकार पर्याप्त रूप से नहीं मिले हैं। पर्यावरणीय नुकसान के आरोप-आंदोलनकारियों ने प्रोजेक्ट से पन्ना टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का मुद्दा भी उठाया। उनके अनुसार, प्रोजेक्ट के कारण बड़े पैमाने पर वन क्षेत्र प्रभावित होगा और पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका है। उन्होंने ग्राम सभा की सहमति और प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए। आंदोलनकारियों ने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई और अन्य दबाव का सामना करना पड़ा। लंबे समय से जारी है आंदोलन-केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट को लेकर बुंदेलखंड में प्रभावित परिवारों और आंदोलनकारियों का विरोध लंबे समय से जारी है।

गोविंदा से अनबन के बीच फैमिली कोर्ट पहुंचीं सुनीता,बेटे यशवर्धन पैपराजी से बचाते दिखे, चीटिंग के आरोप लगाए थे

मुंबई। गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और उनके बेटे यशवर्धन को बुधवार को मुंबई

में फैमिली कोर्ट में देखा गया। दोनों की कोर्ट में मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। हालांकि, उनके वहां पहुंचने की वजह से जुड़ी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई। कोर्ट के बाहर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पैपराजी ने सुनीता और उनके बेटे से सवाल किया कि कोर्ट में क्या हुआ? मामले को लेकर एक न्यूज़ पोर्टल ने गोविंदा के मैनेजर से संपर्क किया, तो उन्होंने बताया है कि इस बारे में अब तक उन्हें कोई जानकारी नहीं दी गई है। जिस पर बेटे यशवर्धन आहूजा ने कहा, 'कुछ नहीं हुआ। जाने दीजिए।' यश अपनी मां को कैमरों से बचाते हुए कार तक लेकर गए। वहीं, कार में बैठने से पहले सुनीता ने इरिटेट होकर कहा, 'बर्थडे मनाने गए थे' और इसके बाद वह कार में बैठकर चली गईं। गौरतलब है कि सुनीता आहूजा ने दिसंबर 2024 में गोविंदा के खिलाफ बांद्रा फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, याचिका में उन्होंने गोविंदा पर क्रूरता, बेवफाई और परित्याग जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में गोविंदा को उनकी अपकमिंग कमबैक फिल्म रूपा की को-एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकार के साथ स्पॉट किया गया। इस पर सुनीता ने कहा था, 'गोविंदा अपनी बेटी की उम्र की लड़की को लेकर घूम रहे हैं और उन्हें इस बात पर थोड़ी शर्म आनी चाहिए।' वहीं, पत्नी सुनीता के आपत्तिजनक बयानों पर गोविंदा भड़क गए थे। गोविंदा ने चेतावनी देकर कहा था कि उन्हें हद में रहना चाहिए। साथ ही एक्टर ने को-स्टार का बचाव भी किया और कहा कि सुनीता उन्हें बदनाम करने की कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। गोविंदा ने कहा था-'जो काम बाहर मिलता है, वो मैं करता नहीं हूं और जो मैं कर रहा हूं, उसमें आप हस्तक्षेप कर रही हैं। और जब अपना काम आप कर रही थीं, फिर चाहे वो कुकिंग शो (लाफ्टर शेफ) हो या लॉकअप हो, टीना (बेटी) से कहकर मुझे उसमें बुलवाया, मेरी सेवाएं लीं। खैर वो तो आपका हक है, लेकिन जिस वक्त मैंने फिल्म शुरू की है, आप एक भी कसर नहीं छोड़ रही हैं कि मैं लोगों के दिल से उतर जाऊं बदनाम हो जाऊं, या कुछ ऐसा हो जाए कि मेरा बिजनेस न हो।' वहीं, गोविंदा ने को-एक्ट्रेस रानी स्वर्णकर का बचाव करते हुए कहा थाः- 'कोई गरीब परिवार के लोग अगर फिल्म में आए हैं, तो उन्हें इस तरह बदनाम या लज्जित न कीजिए कि वो भाग जाएं। आप में क्षमता है, ताकत है, इज्जत, दौलत, शोहरत, सब दिया है ऊपर वाले ने। इसका मतलब ये नहीं कि जिसके पास ये नहीं है आप उसे जलील करें। ये आप पर शोभा नहीं देता।' बहुत ज्यादा मां-बहन की गालियां देने लगी हैं- गोविंदाठ

गोविंदा ने अपने वीडियो में यह भी कहा था कि मैं ये भी कहना चाहूंगा कि सुनीता जी आप बहुत मां-बहन की गालियां देने लगी हैं। ईश्वर को मनाइए कि अगर लोग आपसे प्रेरित हो गए तो आप कहां आइना देखेंगी। कहीं आपके साथ ही लोग मां-बहन की गालियां देना शुरू कर देंगे, तो हम सब बहुत लज्जित हो जाएंगे। ये ठीक नहीं है। बहुत सस्ता कर दिया है मां-बहन का नाम। आपसे उम्मीद नहीं है। जानिए सुनीता के किस बयान पर भड़के गोविंदा-हाल ही में गोविंदा को उनकी अपकमिंग कमबैक फिल्म रूपा की को-एक्ट्रेस के साथ स्पॉट किया गया। इस पर सुनीता ने कहा, गोविंदा अपनी बेटी की उम्र की लड़की को लेकर घूम रहे हैं और उन्हें इस बात पर थोड़ी शर्म आनी चाहिए।

आएशा खान ने शेयर कीं सगाई की तस्वीरें,मिस्ट्री मैन के साथ डायमंड रिंग फ्लॉन्ट की, करण औजला से जुड़ा नाम

मुंबई। रणवीर सिंह की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के हिट गाने 'शरारत' में नजर आईं आयशा खान सगाई की तस्वीरों से सुर्खियों में आ गई हैं। एक्ट्रेस

ने हाल ही में सोशल मीडिया पर सगाई की थीम जैसी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वो डायमंड रिंग भी फ्लॉन्ट करती दिखी हैं। हालांकि कई फैंस का मानना है कि ये उनके किसी गाने का पब्लिसिटी स्टंट हो सकता है। वहीं कुछ लोग तस्वीरों में दिखे मिस्ट्री मैन की तुलना सिंगर करण औजला से कर रहे हैं। आएशा खान ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, एक सपना। आएशा खान की पोस्ट में राखी सावंत, अर्चना गौतम, रश्मि देसाई जैसे सेलेब्स ने उन्हें कमेंट कर बधाई दी। रश्मि ने लिखा है, दुआ है तुम्हारे सारे सपने पूरे हों। वहीं अर्चना ने आएशा को मुबारकबाद दी। क्या आएशा खान ने कर ली है सगाई? आएशा खान की ये तस्वीरें किसी जूलरी ब्रांड का प्रमोशन हो सकती हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट के कैप्शन में एक जूलरी ब्रांड को मेंशन करते हुए लिखा है, अपनी परफेक्ट डायमंड एंगेजमेंट रिंग यहां पाइए। बिग बॉस 17 में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट रहीं, मुनव्वर पर लगाए चीटिंग के आरोप-आएशा खान को बिग बॉस 18 से पहचान मिली थी। वो शो में बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शामिल हुईं और शो में उन्होंने मुनव्वर फारूकी पर चीटिंग के आरोप लगाए। आएशा ने दावा किया कि मुनव्वर उनके साथ रिलेशनशिप में थे, जबकि बाद में उन्हें पता चला कि वो किसी और लड़की के साथ भी थे। उन्होंने बताया था कि मुनव्वर ने अपनी एक्स वाइफ के साथ भी चीट किया है। आयशा ने यह भी कहा था कि मुनव्वर एक साथ कई लड़कियों के साथ रिश्ते में रहे हैं। आएशा की शो में एंट्री से काफी ड्रामा हुआ था। धुरंधर के शरारत गाने से मिली पहचान-'धुरंधर' के गाने 'शरारत' में आयशा खान क्रिस्टल डिसूजा के साथ नजर आई थीं। गाना जबरदस्त हिट रहा और आएशा को देश भर में पहचान मिल गई। इस गाने को यूट्यूब पर 810 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। गाने में पीरियड होने का खुलासा कर हुई थीं ट्रोल-पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में आयशा ने कहा था, 'शूटिंग दो दिन चली। यह बहुत ही व्यस्तता भरा था। शूटिंग के दौरान मुझे पीरियड्स हो रहे थे और आप जानते हैं कि आप फूले हुए होने के कारण अपना बेस्ट परफॉर्मेंस नहीं कर पा रहे होते हैं।' उन्होंने आगे कहा था, 'काश, मैं अपने पूरे जोश में होती। दो दिन में इतना सारा काम था, समय बहुत कम था। हम बहुत थक गए थे, इतना नाचने के बाद हमारी हड्डियां दुख रही थीं।' इस बयान के बाद आएशा खान को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। ट्रोलिंग पर दिया था बेबाक बयान-मोजो स्टोरी की समिट में आयशा ने कहा कि सोशल मीडिया पर लोग उनके कपड़ों को लेकर भी कमेंट करते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इंस्टाग्राम पर लगभग हर दिन अपनी बॉडी को लेकर सेक्शुअल कमेंट्स का सामना करती हूं। अगर मैं नॉर्मल टॉप पहनती हूं तो लोगों को समस्या होती है। अगर मैं स्कर्ट पहनती हूं तो भी लोगों को दिक्कत होती है। मुझे कुछ पोस्ट करने से पहले भी सोचना पड़ता है।' उन्होंने कहा कि कई बार इस तरह की बातें उन्हें इमोशनली परेशान करती हैं। उनके मुताबिक अगर किसी को कपड़े पहनने या फोटो पोस्ट करने से पहले सोचना पड़े, सिर्फ इसलिए कि लोग उसे सेक्शुअल तरीके से देखेंगे, तो यह एक दुखद स्थिति है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट से चर्चा में रहीं-आएशा खान कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट का हिस्सा बनी थीं, जहां उन्हें डीटेन किया गया था। वीडियो सामने आने के बाद आएशा की जमकर सराहना हुई थी।

कंगना के 'जेनरेशन गटर' वाले बयान पर नाराज़ बाबा रामदेव,बोले- उनकी जवानी और पहले के कारनामे कैसे रहे हैं?

मुंबई। योग गुरु बाबा रामदेव ने जेन-ज़ी को लेकर कंगना रनोट के 'जेनरेशन गटर' वाले बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को 'गटर जेनरेशन' कहना खराब मानसिकता को दर्शाता है। टीवी 9 भारतवर्ष के साथ बातचीत में बाबा रामदेव ने जेन-ज़ी को लेकर कंगना की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'उनका क्वालिफिकेशन क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। ऐसे किसी भी देश के जवान को, जेन-ज़ी को गटर-पटर बोलना, ये बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। गलत बात है। इसके ऊपर जो है, उनके पार्टी के लोगों को संज्ञान लेना चाहिए।' जब सवाल पूछा गया कि वो आपके योग की प्रशंसक रही हैं तो बाबा रामदेव ने कहा कि 'मेरी प्रशंसा करें, योग की प्रशंसा करें तो मैं उनके गुनाहों पर यहां लीपापोती कर दूं?' बाबा रामदेव ने यह भी कहा कि युवा की कोई जाति नहीं है। युवा में सब हैं। उसमें ब्राह्मणों के भी बालक हैं, क्षत्रियों के भी, वैश्यों के भी, दलित के भी, आदिवासी-वनवासी के, एससी-एसटी के, सबके बालक हैं। आज युवा अपने आप में एक बहुत बड़ी ताकत है, उसको कोई नकार नहीं सकता। कंगना ने क्या कहा था-दरअसल, हाल ही में कंगना ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा था, 'सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात युवा हिंदू महिलाओं का व्यवहार है। वे स्वतंत्र और करियर बनाने वाली महिलाओं की जिंदगी की नकल करना चाहती हैं, लेकिन उस आजादी को कमाना नहीं चाहतीं। जो महिलाएं वास्तव में स्वतंत्र होती हैं, वे विद्रोही फैसले लेती हैं, बेबाक राय रखती हैं, परंपराओं से हटकर करियर चुनती हैं और अपने हर फैसले की जिम्मेदारी भी खुद उठाती हैं, क्योंकि वे अपने दम पर जीवन जीती हैं। वे यह सब अपने माता-पिता या परिवार की कीमत पर नहीं करतीं। यह तथाकथित पश्चिमी सोच वाली भारतीय महिलाओं की नई पीढ़ी है, जिन्हें मैं 'जनरेशन गटर' कहती हूं।'

बॉयफ्रेंड मेरी ही सहेली को कर रहा डेट, दोनों मिलकर मुझसे खेल रहें, खुद को कैसे समझाऊ

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 20 साल है। मैं 6 महीने से कॉलेज में एक लड़के के साथ रिलेशनशिप में थी। मैंने उसे अपनी एक फ्रेंड से मिलवाया। हम तीनों साथ में कभी-कभी हैंगहाउट करते थे। एग्जाम्स के बाद समर वेकेशन में मैं 2 महीने के लिए पर घर चली गई। जब मैं वापस आई, तो वे दोनों मुझसे ठीक से बात नहीं कर रहे थे। अब पता चला है कि वे दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। मुझे बहुत बुरा लग रहा है और मैं खुद को चीटेड फील कर रही हूं। मैं समझ नहीं पा रही हूं कि इस सिचुएशन को कैसे संभालूं और अपने इमोशन्स से कैसे डील करूं? विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ- जवाब- सवाल पूछने के लिए आपका शक्रिया। 20 साल की उम्र जीवन का वह पड़ाव है, जब भावनाएं काफी तेज होती हैं। आपने बताया है कि बॉयफ्रेंड और दोस्त ने मिलकर आपका दिल तोड़ा है। साइकोलॉजी में इसे 'डबल बिट्रेयल' (दोहरा विश्वासघात) कहते हैं। अभी आपको ये ट्रेजेडी जैसा महसूस हो रहा है, लेकिन विश्वास करिए 10 साल बाद यह घटना एकदम सामान्य लगेगी। चलिए आपकी पूरी सिचुएशन समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। 20-25 साल की उम्र एक्सप्लोर करने और अनुभव बटोरने की होती है। इस उम्र में हम रिश्ते, करियर और खुद को समझना शुरू करते हैं। इस दौर में बने रिश्ते अक्सर भावनाओं पर आधारित होते हैं। इसलिए ये बहुत स्थायी नहीं होते हैं। इस घटना को 'ट्रेजेडी' की तरह देखने की बजाय 'लाइफ लेसन' की तरह देखना बेहतर होगा, क्योंकि यही अनुभव आपको आगे बेहतर निर्णय लेने में मदद करेगा। अभी पूरी उम्र और बेहतर संभावनाओं का आसमान आपके सामने खुला है। अपनी भावनाओं को दबाएं नहीं-धोखा मिलने पर दुखी होना, गुस्सा आना या रोना बिल्कुल सामान्य है। खुद को यह कहने की जरूरत नहीं है कि, 'मुझे इतना परेशान नहीं होना चाहिए।' बल्कि खुद से कहें- 'मुझे दुख हो रहा है और यह बिल्कुल सही है।' रोना आए तो रो लें। किसी भरोसेमंद दोस्त से बात करें। अपनी भावनाओं को डायरी में लिखें। यही हीलिंग का पहला कदम है। यह एक नई शुरुआत है-अभी आपको लग सकता है कि सब खत्म हो गया, लेकिन सच्चाई इससे अलग है। ब्रेकअप अंत नहीं, प्यार में धोखा मिलने पर लोग अक्सर खुद में कमियां ढूंढने लगते हैं। वह कारण खोजते हैं कि उन्हें धोखा क्यों मिला है। जबकि असल में कमी सामने वाले की नीयत में होती है। इस तरह के इंसिडेंट्स को अनुभव की तरह लेना चाहिए। आगे आसमां और भी है-यह सोचिए कि जो इंसान मात्र 2 महीने आपकी एब्सेंस में आपकी सहेली के साथ रिश्ते में आ गया, क्या वह कभी आपके प्रति सीरियस था? शायद नहीं। इसलिए जो आपका था ही नहीं, उसे खोने का अफसोस ही क्यों करना है। 20 की उम्र जीवन का केवल एक छोटा सा हिस्सा भर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है। अपनी नजरें समेटने की बजाय सामने देखिए, अभी पूरा आसमान बाकी है। आपको भविष्य में ऐसे कई सच्चे लोग, वफादार दोस्त और बेहतर रिश्ते मिलेंगे, जो आपकी कद्र करना जानते होंगे। इस एक कड़वे अनुभव को अपनी पूरी जिंदगी न समझें, बल्कि इसे एक नई और बेहतर शुरुआत का मौका मानें। क्या करें? भावुकता से निकलकर अब आपको एक्शन-ओरिएंटेड होना पड़ेगा। जब आप व्यस्त रहेंगी तो इस दुख से उबरने में मदद मिलेगी। करियर और स्किल्स पर ध्यान दें- अपनी पढ़ाई, इंटर्नशिप या किसी नई भाषा/हुनर को सीखने में अपनी पूरी ऊर्जा लगा दें। आपकी सफलता ही आपका सबसे बड़ा बदला होगा। सोशल मीडिया डिटॉक्स- उसे ब्लॉक या अनफॉलो करना कमजोरी नहीं, बल्कि एक तरह से 'मानसिक सुरक्षा' है। इसलिए उसकी लाइफ अपडेट्स देखना बंद करें। नए लोगों से मिलें- अपनी दुनिया को उस एक कॉलेज ग्रुप तक सीमित न रखें। नए क्लब जॉइन करें, वर्कशॉप में जाएं। हॉबीज को समय दें- डांस, पेंटिंग, राइटिंग या स्पोर्ट्स, जो भी आपको खुशी देता है, उसमें भाग लें। इससे आपका 'डोपामाइन' लेवल बढ़ेगा और कॉन्फिडेंस वापस आएगा। हीलिंग पर ध्यान दें-इस दुख से उबरने की यात्रा में आप किसी दिन आप बहुत अच्छा महसूस करेंगी और किसी दिन बहुत तकलीफ भी होगी। यह सामान्य है। बस उस पुराने घाव को बार-बार 'चेक' करके कुरेदना बंद करें। डबल बिट्रेयल से निपटने के 5 गोल्डन रूल-1. खामोशी में ही ताकत है-उसे फोन या मैसेज करके यह न बताएं कि आप कितनी दुखी हैं। भावनाओं को उसके सामने जाहिर करने की बजाय डायरी में लिखें या किसी भरोसेमंद से बांटें। 2. जवाब की उम्मीद छोड़ दें-उससे यह पूछकर वक्त बर्बाद न करें कि ऐसा क्यों किया? सफाई की उम्मीद आपको उसी दुख में अटकाए रखेगी। इसलिए सच को स्वीकार कर आगे बढ़ें। 3. खुद पर विश्वास बनाए रखें-दो गलत लोगों की वजह से खुद को कम न आंकें। याद रखें, आप आज भी उतनी ही अच्छी इंसान हैं। सिर्फ इसलिए कि किसी ने भरोसा तोड़ा, पूरी दुनिया को बुरा न समझें। अच्छे लोग और सच्चे दोस्त अभी भी आपकी लाइफ में आएंगे। 4. कॉलेज में गरिमा रखें-जब भी वे सामने आएं, न गुस्सा करें और न ही रोएं। बस ऐसे रहें जैसे वे कोई अजनबी हों। आपका आत्मविश्वास और आपकी मुस्कान यह साबित करेगी कि आपकी खुशी किसी इंसान की मोहताज नहीं है। 5. खुद को दोष न दें-'मैंने गलत इंसान पर भरोसा क्यों किया' जैसे विचार छोड़ दें। भरोसा करना आपकी अच्छाई थी, कमजोरी नहीं। खुद को माफ करें और खुद से प्यार करें। आप एक नई और खूबसूरत शुरुआत की हकदार हैं। अंतिम सलाह-20 साल की उम्र में दिल टूटने पर ऐसा लगता है जैसे दुनिया रुक गई हो, लेकिन सच ये है कि आपकी कहानी अभी शुरू हुई है। आपको आगे बेहतर लोग, बेहतर रिश्ते और ढेर सारी खुशियां मिलेंगी।

13 साल की बेटी हकलाती है,बच्चे मजाक उड़ाते हैं, क्लास में कुछ बोलती नहीं, हमेशा चुप रहती है,कैसे हेल्प करूं

जयपुर। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल

जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं इंदौर से हूं। मेरी 13 साल की बेटी हकलाती है। हमने इसे सुधारने की बहुत कोशिश की। डॉक्टरों को दिखाया, स्पीच थेरेपिस्ट के पास गए, लेकिन कोई खास सुधार नहीं हुआ। वो जैसे-जैसे बड़ी हो रही है, अपने बोलने को लेकर बहुत कॉन्शस होती जा रही है। बचपन से ही बच्चे स्कूल में उसका मजाक उड़ाते रहे हैं। इसलिए वह क्लास में भी कुछ नहीं बोलती। अब तो सबसे अलग-थलग और चुपचाप रहने लगी है। हमें समझ नहीं आता कि हम क्या करें। उसे कैसे समझाएं, कैसे सपोर्ट करें। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। सबसे पहले तो मैं यह बताना चाहूंगी कि आप अकेली नहीं हैं। आपकी तरह बहुत से माता-पिता इस स्थिति से गुजरते हैं। हकलाना कोई 'कमजोरी' नहीं है, बल्कि यह एक स्पीच फ्लुएंसी डिसऑर्डर है, जो अक्सर भावनात्मक दबाव, आत्मविश्वास की कमी या न्यूरोलॉजिकल कारणों से जुड़ा होता है। 'द स्टटरिंग फाउंडेशन' के मुताबिक, दुनियाभर में लगभग 1फीसदी यानी 8 करोड़ से ज्यादा लोग हकलाते हैं। महिलाओं की तुलना में पुरुषों में यह समस्या लगभग चार गुना ज्यादा होती है। करीब 5फीसदी बच्चे उम्र के किसी-न-किसी दौर में हकलाहट का सामना करते हैं। इनमें से लगभग 75फीसदी बच्चे बड़े होते-होते ठीक हो जाते हैं, जबकि करीब 1फीसदी में यह समस्या लंबे समय तक बनी रहती है। आपकी बेटी अभी टीनएजर है। ये उम्र वैसे भी थोड़ी वलनरेबल होती है। ऐसे में उसका कॉन्शस होना और क्लास में बोलने से बचना बिल्कुल स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। लेकिन अच्छी बात यह है कि सही सपोर्ट और समझदारी से आप इसमें सकारात्मक बदलाव ला सकती हैं। बच्चा रुक-रुककर क्यों बोलता है? बच्चे का रुक-रुककर बोलना सिर्फ एक साधारण बोलने का तरीका भर नहीं है। इसके पीछे कई कारण होते हैं। हर बच्चे में इसकी वजह अलग हो सकती है। कुछ बच्चों में यह डर या झिझक से जुड़ा होता है, तो कुछ में सोचने और बोलने की गति में तालमेल न होने से होता है। कई बार घर का माहौल, पेरेंट्स का व्यवहार और बच्चे के अपने अनुभव भी इस पर असर डालते हैं। इसलिए इस समस्या को समझने के लिए इसके असली कारण तक पहुंचना और उसे समझना जरूरी है। बच्चे पर इसका क्या असर पड़ता है? जिन बच्चों को बोलने में समस्या होती है, वे सोचते हैं- 'मैं ठीक से बोल नहीं पाता/पाती।' 'लोग मुझे जज करेंगे।' 'सब मेरा मजाक उड़ाएंगे।' 'मेरा चुप रहना ही बेहतर है।' यही सोच धीरे-धीरे बच्चे पर हावी हो जाती है। लंबे समय में उसके मनोविज्ञान पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जो बच्चे हकलाकर बोलते हैं, उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की होती है कि उन्हें समझा जाए, उन्हें जज न किया जाए और उन्हें सपोर्ट किया जाए। ऐसे में पेरेंट्स का पहला कदम बच्चे को तुरंत सुधारने की कोशिश करना नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित और सहज महसूस कराना होना चाहिए। जब बच्चा बिना डर और झिझक के अपनी बात कह पाएगा, तभी उसकी बोलने की फ्लुएंसी धीरे-धीरे अपने आप बेहतर होने लगेगी। इसलिए जरूरी है कि पेरेंट्स धैर्य रखें और सही तरीके से उसका साथ दें। नीचे ग्राफिक में ऐसे ही आसान और एक्शन लेने योग्य टिप्स दिए गए हैं। आइए अब इन पॉइंट्स को विस्तार से समझते हैं- 1. बच्चे की बात ध्यान से सुनें, बच्चे की बात पूरी होने दें। बीच में उसकी बात खुद पूरी न करें। क्यों जरूरी?जब बच्चे को बिना जज किए सुना जाता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। फायदा-बच्चा खुलकर बोलता है। झिझक कम होती है। 2. इमोशनल सेफ्टी देंबच्चे से रोज 10-15 मिनट बिना किसी जजमेंट के बात करें। जब वह बोले तो बीच में टोकने या सुधारने से बचें। उसकी बात पर रिएक्ट करने की बजाय पहले उसे ध्यान से सुनें। 'मैं तुम्हारे साथ हूं,' जैसे भरोसा देने वाले शब्द कहें। उसके डर या शर्म को हल्के में न लें। घर में ऐसा माहौल बनाएं, जहां वह खुलकर बोल सके। क्यों जरूरी? जब मिलने पर धीरे-धीरे सबकुछ सामान्य हो जाता है। फायदा-बच्चा खुलकर अपनी बात रखने लगता है। आत्मविश्वास बढ़ता है। बोलने का डर कम होता है। पेरेंट्स और बच्चे के बीच बॉन्ड मजबूत होता है। हकलाहट धीरे-धीरे कम हो जाती है। 3. कोशिश की तारीफ करें-रिजल्ट की नहीं, कोशिश की तारीफ करें। छोटे-छोटे सुधार को नोटिस करें। पॉजिटिव शब्दों का इस्तेमाल करें। क्यों जरूरी? तारीफ बच्चे को आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करती है।फायदा- आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चा प्रयास करना जारी रखता है। 4. बुलीइंग को इग्नोर न करें स्कूल में बुलीइंग होने पर टीचर से बात करें। बच्चे को जवाब देने के तरीके सिखाएं। क्यों जरूरी? बुलीइंग बच्चे के आत्मसम्मान को गहराई से प्रभावित करती है। फायदा-बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है।डर और शर्म कम होती है। 5. बच्चे की ताकत पहचानें-उसकी रुचियों और टैलेंट पर ध्यान दें। उसे उन एक्टिविटीज में प्रोत्साहित करें, जो उसे पसंद हो।उसकी उपलब्धियों को नोटिस करें। क्यों जरूरी? जब बच्चा अपनी स्ट्रेंथ पहचानता है, तो वह अपनी कमजोरी से ऊपर उठ पाता है। फायदा-आत्मसम्मान बढ़ता है। पॉजिटिव सोच विकसित होती है। 6. बच्चे को जज न करें- 'तुम सही से क्यों नहीं बोलते?' जैसे सवाल न पूछें। दूसरे बच्चों से तुलना न करें। उसके बोलने की स्पीड को एक्सेप्ट करें। क्यों जरूरी? जजमेंट बच्चे में शर्म और डर पैदा करता है। फायदा-बच्चा सहज महसूस करता है। खुद को स्वीकार करना सीखता है। 7. पॉजिटिव स्टोरीज सुनाएं-ऐसे लोगों की कहानियां सुनाएं, जिन्होंने हकलाहट के बावजूद सफलता पाई। मोटिवेशनल उदाहरण दें। स्टोरी के जरिए आत्मविश्वास बढ़ाएं। क्यों जरूरी? रोल मॉडल बच्चे को उम्मीद और प्रेरणा देते हैं। फायदा-बच्चा खुद को सीमित नहीं समझता है। उसे आगे बढ़ने का हौसला मिलता है। 8. धैर्य बनाए रखें-बच्चे को समय दें। बहुत जल्दी सुधार की उम्मीद न रखें। शांत और सपोर्टिव रहें। क्यों जरूरी? हकलाहट में सुधार एक धीमी प्रक्रिया है। इसलिए धैर्य बनाए रखना जरूरी है। फायदा-बच्चा दबाव महसूस नहीं करता है। धीरे-धीरे सुधार होने लगता है। 9. प्रोफेशनल हेल्प लें-स्पीच थेरेपिस्ट से सलाह लें। जरूरत हो तो काउंसलिंग कराएं। नियमित फॉलो-अप रखें। क्यों जरूरी? कभी-कभी सही दिशा के लिए एक्सपर्ट गाइडेंस जरूरी होती है। फायदा-सही तकनीक से सुधार तेज होता है। बच्चे को प्रोफेशनल सपोर्ट मिलता है। 10. कम्युनिकेशन पर फोकस करें-धीरे और स्पष्ट बोलने का उदाहरण दें। बच्चे को बोलने के लिए पूरा समय दें। बातचीत का माहौल हल्का रखें। क्यों जरूरी? अच्छा कम्युनिकेशन बच्चे को बिना दबाव के खुद को एक्सप्रेस करना सिखाता है।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।